डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

PG-5

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

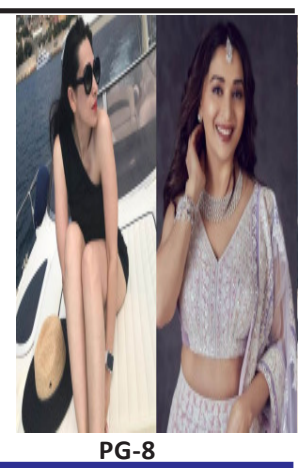

PG-8

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

सिनेमाः-माधुरी दीक्षित ने किया डांस, करिश्मा कपूर ने शेयर किए थ्रोबैक फोटोज

वर्ष -08 अंक -204 | प्रयागराज, मंगलवार, 01 नवम्बर, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

हैलोवीन पर नासा ने शेयर की अंतरिक्ष की डरावनी तस्वीर

वाशिंगटन। दुनियाभर में इस समय हैलोवीन की चर्चा तेज है। सब लोग अलग-अलग और डरावने भेष में खुद को सजाकर डराने की कोशिश में है। अब इस कड़ी में नासा भी जुड़ गया है। हैलोवीन पर लोगों को डराने के

लिए नासा ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा की है। इस फोटो को अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के सबसे शक्तिशाली स्पेस टेलिस्कोप जेम्स वेब से खींचा गया है। फोटो में अंतरिक्ष में मौजूद धूल और संरचनाएं दिखाई दे रही हैं जिन्हें पिलर्स ऑफ क्रिएशन भी कहा जाता है। इस फोटो में दिख रही धूल काफी डरावनी लग रही है जिसको लेकर नासा ने इंस्टाग्राम पर लिखा है-'आप इसके चंगुल से बच नहीं सकते।बता दें कि जेम्स वेब स्पेस टेलिस्कोप की मदद से ली गई तस्वीर में ईगल नेबुला में 6500 प्रकाश वर्ष दूर स्थित पिलर्स ऑफ क्रिएशन के गहरे हिस्से को दिखाया गया है। इससे पिछले हफ्ते भी इस टेलिस्कोप ने पिलर्स ऑफ क्रिएशन की एक चमकदार फोटो खींची थी। ये संरचनाएं जितनी तस्वीरों में विशाल दिखती हैं उससे कहीं ज्यादा ये असल में होती हैं। इसकी लंबाई 5 प्रकाश पर्व के करीब होती है। जेम्स वेब टेलिस्कोप की मदद से ली गई नई तस्वीर में अंतरिक्ष की उड़ती हुई ग्रे धूल दिख रही है। इसकी शेप को देखकर कोई भी डर सकता है। फोटो में ऐसा प्रतीत हो रहा है जैसे किसी भूत परेत की फोटो हो। बता दें कि इश टेलिस्तकोप द्वारा पहली बार 1995 में और फिर 2014 में हबल स्पेस टेलिस्कोप ने फोटो ली थी।

पूर्वांचल की देहरी से निकल राष्ट्रीय राजनीति की सांस्कृतिक विमर्श का हिस्सा बना छठ महापर्व

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। देश की शीर्ष सत्ता से लेकर सियासत की प्रमुख हस्तियों ने जिस तरह छठ के मौके पर आस्था के इस महापर्व पर आदर भाव शुभकामनाओं के जरिए जनमानस

को छूने की कोशिश की उससे साफ है कि लोक आस्था के इस पर्व ने बिहार-पूर्वी उत्तरप्रदेश की देहरी से निकलकर राष्ट्रीय राजनीति के सांस्कृतिक विमर्श में अपनी जगह बना ली है। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से लेकर देश की पक्ष-विपक्ष की प्रमुख राजनीतिक पार्टियों के शीर्ष नेताओं का छठ की महिमा का गौरव गान करते हुए पूर्वांचल की आस्था से खुद को जोड़ना इसका सबूत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तो अपने मन की बात के कार्यक्रम में कहा भी कि बिहार और पूर्वी उत्तरप्रदेश ही नहीं अब छठ महापर्व के रंग गुजरात और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में भी नजर आने लगे हैं। छठ की शुभकामनाएं देने के क्रम में प्रधानमंत्री का यह आकलन जाहिर कर रहा कि पूर्वांचल के इस महापर्व ने राष्ट्रीय सांस्कृतिक क्षीतिज पर अपना प्रभाव फैला लिया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू ने देश वासियों को छठ पूजा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिन भगवान सूर्य की उपासना करते हुए प्रकृति के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने का अनुपम उदाहरण है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि भगवान सूर्य की सात्विक ऊष्मा धरती पर जीवन को ऊर्जा प्रदान करती है, छठ पूजा उनके प्रति हमारी विनम्र कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। भगवान सूर्य का धवल प्रकाश हमारे जीवन को आरोग्य, संतोष और सफलता से प्रकाशित करे। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में छठ पूजा के बढ़ते प्रसार की चर्चा करते हुए कहा कि यह एक भारत श्रेष्ठ भारत का एक उदाहरण है। बिहार और पूर्वी उत्तरप्रदेश के लोग देश के जिस कोने में भी हैं वहां धूमधाम से इसका आयोजन हो रहा है। दिल्ली, मुंबई ओर महाराष्ट्र के अलग-अलग जिलों के साथ गुजरात के कई हिस्सों में छठ का बड़े पैमाने पर आयोजन होने लगा है। पीएम ने कहा कि पहले गुजरात में छठ पूजा नहीं होती थी लेकिन समय के साथ करीब-करीब पूरे गुजरात में छठ पूजा के रंग नजर आने लगे हैं।

सरदार पटेल की 147वीं जयंती आज, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु व पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। 2022- स्वतंत्रता सेनानी व लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की आज 147वीं जयंती मनाई जा रही है। सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर आज देश उन्हें याद कर रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भी सरदार वल्लभ भाई पटेल को याद किया। इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पटेल चौक पर सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि दी। इसके अलावा उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भी लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी पटेल चौक पर सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि दी। वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की 147वीं जयंती पर गुजरात के केवड़िया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सरदार पटेल को याद किया। उन्होंने एक वीडियो शेयर कर लिखा कि सरदार पटेल के लौह इरादों के आगे कुछ भी असंभव नहीं था। उन्होंने अपने दृढ़ नेतृत्व से अलग-अलग रियासतों में बंटे भारत को एकता के सूत्र में पिरोया। राष्ट्रहित के संकल्प से पूरा जीवन देश के लिए जीने वाले सरदार पटेल की जयंती पर उनके चरणों में नमन व सभी को राष्ट्रीय एकता दिवस की बधाई।

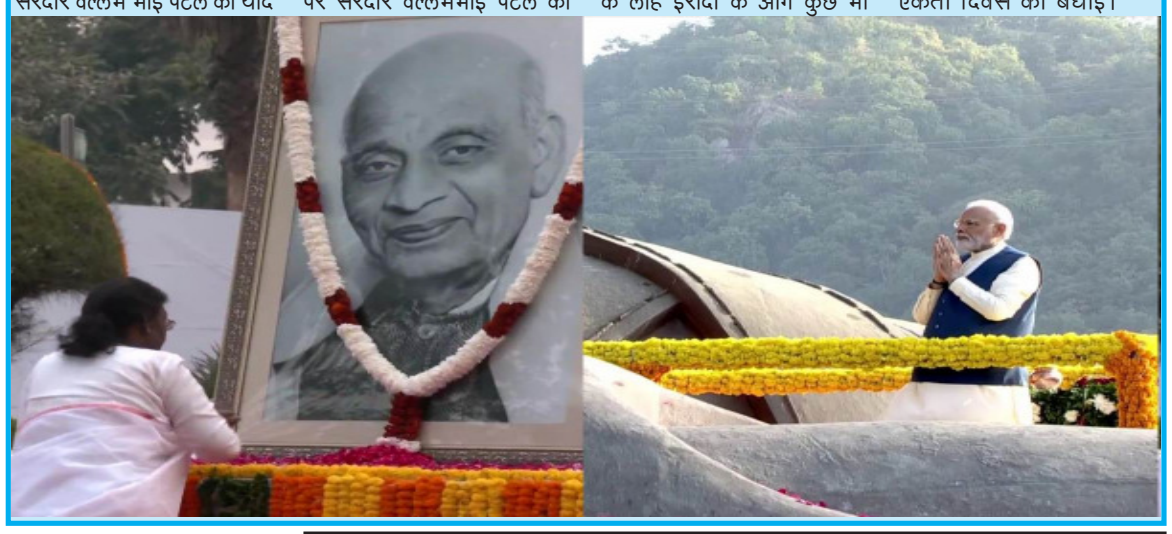

सीएए से जुड़ी 240 याचिकाओं पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई सरकार का दावा- कानून से घुसपैठियों पर लगेगा अंकुश

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने रविवार को सुप्रीम कोर्ट से नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज करने का अनुरोध किया। साथ ही कहा कि यह कानून असम में अवैध प्रवास या भविष्य मे देश में किसी भी तरह के विदेशियों के आगमन को प्रोत्साहित नहीं करता है। केंद्र ने कहा कि यह एक स्पष्ट कानून है जो केवल छह निर्दिष्ट समुदाय के लोगों को भारतीय नागरिकता प्रदान करता है जो असम समेत देश में 31 दिसंबर, 2014 या उससे पहले आए थे। दीपावली और अन्य त्योहारों के अवसर पर नौ दिन की छुट्टी के बाद सोमवार को खुल रहा सुप्रीम कोर्ट पहले ही दिन सीएए की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं सहित करीब 240 जनहित याचिकाओं की सुनवाई करेगा। मुख्य न्यायाधीश उदय

उमेश ललित, जस्टिस एस. रवींद्र भट और जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी की पीठ के समक्ष केवल सीएए के मुद्दे पर 31 अक्टूबर को 232 याचिकाएं सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है, जिनमें ज्यादातर जनहित याचिकाएं हैं इससे पहले, जस्टिस ललित की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा था कि सीएए को चुनौती देने वाली याचिकाओं को तीन-न्यायाधीशों की पीठ को भेजा जाएगा। इस मुद्दे पर मुख्य याचिका इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आइयूएमएल) ने दायर की थी। केंद्रीय गृह मंत्रालय के दायर 150 पेज के हलफनामे में कहा गया कि संसद भारतीय संविधान के अनुच्छेद 245(1) में प्रदत्त अधिकारों के तहत संपूर्ण भारत या उसके किसी भी हिस्से के लिए कानून बनाने में सक्षम है। गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव सुमंत सिंह के दायर हलफनामे में सभी याचिकाओं को खारिज करने की अपील की गई है सीएए-2019 से भारत में 31 दिसंबर, 2014 या उससे पहले आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के लोगों को नागरिकता प्राप्त करने की सुविधा मिलती है।

नासा ने मुस्कुराते हुए 'सूरज' की मनमोहक फोटो की जारी, ट्वीट कर कहा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। क्या आपने कभी कल्पना की है कि सूरज भी मुस्कुरा सकता है यह कोई अनुमान नहीं

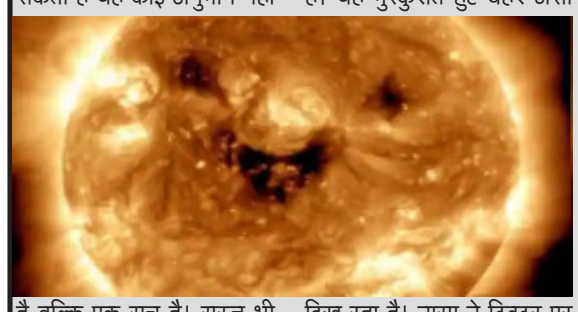

है बल्कि एक सच है। सूरज भी मुस्कुरा सकता है। हाल ही में नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन ने सूरज की ऐसी फोटो जारी की है। जिसमें वह मुस्कुराता हुआ दिख रहा है। नासा की सोलर डायनेमिक्स ऑब्जर्वेटरी ने पाया कि सूर्य का एटमोस्फियर एक चेहरे की तरह दिखाई देता है। यह मुस्कुराते हुए चेहरे जैसा दिख रहा है। नासा ने ट्विटर पर फोटो साझा करते हुए लिखा, से चीज,साथ ही कहा कि नासा के सोलर डायनेमिक्स ऑब्जर्वेटरी ने सूरज को मुस्कुराते हुए कैप्चर किया है।' पराबैंगनी प्रकाश में देखे जाने पर सूर्य पर इन काले धब्बों को कोरोनल होल के रूप में जाना जाता है। यह वह क्षेत्र हैं जहां अंतरिक्ष में तेज सौर हवाएं चलती हैं। न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार पराबैंगनी प्रकाश में दिखाई देने वाले सूर्य पर कोरोनल होल या काले धब्बे तापमान के अंतर के कारण होते हैं। ये वह क्षेत्र भी हैं जहां सूर्य की तेज सौर हवा अंतरिक्ष में फैल जाती हैं। यह सूर्य की मुस्कराहट की तरह दिखाई देती हैं हमारा निकटतम तारा, सूर्य, प्लाज्मा से बना है, जो एक बहुत ही गर्म आयनित गैस है। नासा के अनुसार मंथन प्लाज्मा द्वारा उत्पन्न चुंबकीय बल ग्रह की सतह और वायुमंडल को निरंतर परिवर्तन से गुजरने के लिए प्रेरित करते हैं।

आजादी से भी पहले बना था गुजरात में ढहा पुल, पांच दिन पहले ही हुई थी मरम्मत

(आधुनिक समाचार सेवा)

अहमदाबाद। गुजरात के मोरबी जिला के मच्छु नदी पर बने केबल

पुल के टूटने से आज 60 लोगों की मौत हो गई। घटना के वक्त पुल पर करीब 300 से ज्यादा लोग मौजूद थे। हादसे के बाद 70 घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। यह पुल करीब 142 साल पुराना बताया जा रहा है, जिसको 5 दिन पहले ही मरम्मत के बाद खोला गया था। इसके निर्माण की शुरुआत अंग्रेजों ने आजादी से भी पहले की थी और इसके निर्माण के लिए भी सारा सामान ब्रिटेन से ही आया था। वर्ष 1980 में इसका निर्माण आखिरकार पूरा हुआ। इस केबल पुल को पिछले छह महीने से आम लोगों के लिए बंद कर दिया गया था। हाल ही में मरम्मत के बाद इसे 25 अक्तूबर को लोगों के लिए दौबारा खोला गया था। यह पुल मरम्मत के बाद 5 दिन भी नहीं टिक सका। इस पुल के चलते काफी लोगों को फायदा मिल रहा था, जिनको अब नुकसान उठाना होगा। दीवाली के अगले दिन यानी 25 अक्तूबर को इसे खोला गया था। इस पुल का निर्माण साल 1880 में पूरा हुआ था। उस समय निर्माण में करीब 3.5 लाख रुपये की लागत आई थी।

सीजेआइ ललित के आठ नवंबर को सेवानिवृत होते ही सुप्रीम कोर्ट में सात पद होंगे खाली

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में अभी न्यायाधीशों के छह पद खाली हैं और आठ नवंबर को प्रधान न्यायाधीश यूयू ललित के सेवानिवृत होते ही सुप्रीम कोर्ट में कुल सात

रिक्तियां हो जाएंगी। इतना ही नहीं अगर सुप्रीम को ट में न्यायाधीशों के पद जल्दी नहीं भरे जाएंगे को अगले छह महीने में न्यायाधीशों के सेवानिवृत होने से तीन पद और रिक्त हो जाएंगे जिससे रिक्तियों की कुल संख्या बढ़कर दस हो जाएगी। हालांकि सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम बांबे हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस दिपांकर दत्ता को सुप्रीम कोर्ट प्रोन्नत करने की सिफारिश सरकार को भेज चुकी है। सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश को मिला कर न्यायाधीशों के कुल मंजूर पद 34 हैं। इस समय सुप्रीम कोर्ट में 28 न्यायाधीश काम कर रहे हैं और छह पद खाली हैं। आठ नवंबर को सीजेआइ यूयू ललित सेवानिवृत हो रहे हैं। जस्टिस ललित की सेवानिवृत्ति के बाद खाली पदों की संख्या बढ़कर सात हो जाएगी। जस्टिस ललित के बाद चार जनवरी को जस्टिस एस. अब्दुल नजीर सेवानिवृत होंगे। फिर मई में दो और न्यायाधीश जस्टिस दिनेश महेश्वरी 14 मई और जस्टिस एमआर शाह 15 मई को सेवानिवृत होंगे। उसके अगले माह जून में तीन न्यायाधीश जस्टिस केएम जोसेफ 16 जून, जस्टिस अजय रस्तोगी 17 जून और जस्टिस वी.राम सुब्रह्मण्यम 29 जून को सेवानिवृत हो जाएंगे। फिर आठ जुलाई को जस्टिस कृष्ण मुरारी सेवानिवृत होंगे। तब तक अगर नए न्यायाधीश नियुक्त नहीं हुए तो सुप्रीम कोर्ट में रिक्तियां बढ़कर 14 हो जाएंगी। हालांकि इस बीच नए न्यायाधीशों के आने की पूरी संभावना है। सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम ने 26 सितंबर को हुई बैठक में बांबे हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस दिपांकर दत्ता को सुप्रीम कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश सरकार को भेज दी है। इसके अलावा सीजेआइ यूयू ललित ने सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों के रिक्त पदों को देखते हुए कुछ और न्यायाधीशों की जल्दी नियुक्ति की प्रक्रिया भी शुरू की थी, लेकिन प्रयास बीच में ही अटक गया। 26 सितंबर को कोलेजियम बैठक में जस्टिस दिपंकर दत्ता को सुप्रीम कोर्ट प्रोन्नत करने की सहमति के बाद कुछ और नामों पर चर्चा के लिए कोलेजियम की बैठक 30 सितंबर को 4.30 बजे तक के लिए टाल दी गई थी, लेकिन 30 सितंबर को कोलेजियम की बैठक नहीं हो पाई क्योंकि कोलेजियम के सदस्य जस्टिस डीवाइ चंद्रचूड़ बैठक में उपलब्ध नहीं थे। उस दिन उनकी अदालत देर शाम तक चलती रही। इसके चलते सीजेआइ यूयू ललित ने 30 सितंबर को ही सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की नियुक्ति का प्रस्ताव सर्वकुलर के जरिये कोलेजियम के न्यायाधीशों को उनकी राय के लिए भेजा। कोलेजियम के सदस्य जस्टिस संजय किशन कौल ने एक अक्टूबर और जस्टिस केएम जोसेफ ने सात अक्टूबर को सीजेआइ को अपनी मंजूरी वाले पत्र भेज दिए, लेकिन जस्टिस डीवाइ चंद्रचूड़ और जस्टिस एस. अब्दुल नजीर ने न्यायाधीशों की नियुक्ति में अपनाई गई सर्कुलर प्रक्रिया पर आपत्ति उठाई।

सड़क परिवहन और राजमार्ग क्षेत्र में देरी वाली परियोजनाओं की संख्या सबसे अधिक

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर तैयार की गई रिपोर्ट के मुताबिक 835 परियोजनाएं अपने मूल समय से देरी से चल रही हैं। नितिन गडकरी के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग क्षेत्र में देरी से चल रही परियोजनाओं की संख्या सबसे अधिक 262 है। इसके बाद अश्विनी वैष्णव के रेलवे की 115 और हरदीप पुरी के पेट्रोलियम क्षेत्र की 89 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। आइपीएमडी करता है कई परियोजनाओं की निगरानी इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड प्रोजेक्ट मानिटरिंग डिवीजन (आइपीएमडी) केंद्रीय क्षेत्र की 150 करोड़ रुपये या उससे अधिक लागत वाली परियोजनाओं की निगरानी करता है। आइपीएमडी परियोजना कार्यान्वयन एजेंसियों द्वारा आनलाइन कंप्यूटरीकृत निगरानी प्रणाली (ओसीएमएस) पर प्रदान की गई जानकारी के आधार पर इनकी निगरानी करता है। आइपीएमडी सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यानवयन मंत्रालय के तहत आता है।रिपोर्ट से पता चलता है कि मुनीराबाद-महबूबनगर रेल परियोजना सबसे अधिक देरी से चल रही परियोजना है। यह 276 महीने की देरी से चल रही है। दूसरी सबसे विलंबित परियोजना उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल परियोजना है। यह परियोजना अपने निर्धारित समय से 247 महीने पीछे है। तीसरी देरी वाली परियोजना बेलापुर-सीवुड-शहरी विद्युतीकृत दोहरी लाइन है, जिसमें 228 महीने की देरी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग क्षेत्र की 835 परियोजनाओं के कार्यान्वयन की कुल मूल लागत (जब स्वीकृति मिली थी) 4,94,300.45 करोड़ रुपये थी। इसके अब बढ़कर 5,26,481.88 करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

ऐप से कर्ज देने वाली चीनी कंपनियों पर गिरेगी गाज, गृह मंत्रालय ने दिया कार्रवाई का निर्देश

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। कर्ज के जाल में लोगों को फंसाकर ब्लैकमेल करने वाली चीनी ऐप कंपनियों पर अब गाज

गिरेगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कर्ज देने वाले ऐप्स के खिलाफ कानून की एजेंसियों से तत्काल सख्त कार्रवाई की मांग की है क्योंकि चीन के नियंत्रण वाली इन कंपनियों के उत्पीड़न और पैसा वसूल करने के सख्त तरीकों की वजह से आत्महत्या की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। मंत्रालय ने कहा कि कर्ज देने वाली इन गैरकानूनी कंपनियों के खराब रवैये के कारण देशभर में कई लोगों की जान चली गई। इस मुद्दे का राष्ट्रीय सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और नागरिकों की सुरक्षा पर गंभीर असर हुआ। गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को भेजे गए पत्र में कहा कि इस मुद्दे ने राष्ट्रीय सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और नागरिक सुरक्षा पर गंभीर प्रभाव डाला है। पत्र में कहा गया कि देशभर से बड़ी संख्या में ऐसी शिकायतें आ रही हैं कि डिजिटल तरीके से कर्ज देने वाली गैरकानूनी ऐप विशेषकर कमजोर और निम्न आय वर्ग के लोगों को ऊंची ब्याज दरों पर कम अवधि के कर्ज या सूक्ष्म कर्ज देती है और इसमें छिपे शुल्क भी होते हैं। ये कंपनियां कर्जदारों के संपर्क, स्थान, तस्वीरों और वीडियो जैसे गोपनीय निजी डाटा का इस्तेमाल कर उनका उत्पीड़न करती हैं और उन्हें डरा-धमका कर ब्लैकमेल भी करती हैं।

मनकामेश्वर मंदिर प्रयागराज के सबसे पुराने शिव मंदिरों में से एक है और लालापुर पहाड़ी के ऊपर स्थित है

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। शिव पुराण , स्कंद पुराण और पद्म पुराण के अनुसार मनकामेश्वर वह स्थान है जहां से विजयी होकर लौटे, तो वे प्रयाग में रुक गए और भारद्वाज ब्रह्मर्षि का आशीर्वाद प्राप्त किया। उनकी सलाह पर, सीता माता भगवान सिद्धेश्वर महादेव मंदिर मंदिर परिसर में पाए जाते हैं। भगवान सिद्धेश्वरनाथ हनुमान की भव्य प्रतिमा, दिव्य पीपुल के पेड़ के नीचे

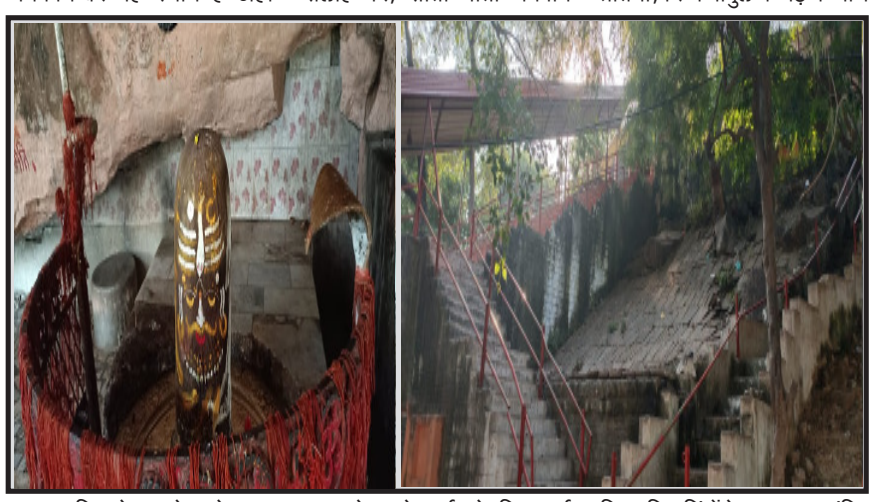

भगवान शिव ने कामदेव को भस्म कर दिया था यह भी उल्लेख किया गया है कि सत्य युग में, भगवान शिव ने स्वयं को यमुना नदी के किनारे स्वयंभू लिंग के रूप में प्रकट किया था। जब भगवान राम अपने वनवास के दौरान प्रयाग पहुंचे, तो उन्होंने सीता माता और लक्ष्मण के साथ विश्राम किया। फिर उन्होंने इस शिव लिंग का जला अभिषेक किया और वनवास पूरा करने के लिए उनका आशीर्वाद मांगा। जब भगवान राम और सीता माता लंका मनकामेश्वर के दर्शन के लिए आईं और उनकी पूजा की। कहा जाता है कि इस शिव लिंग का अभिषेक भगवान राम ने किया था। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह लिंग अधिक नहीं तो कम से कम यह भी कहा जाता है कि जब मंदिर खाली होता है तब भी भगवान शिव की स्तुति हवा में गूंजती है। भगवान मनकामेश्वर के अलावा, पार्वती देवी को कामेश्वरी के रूप में समर्पित एक सुंदर मंदिर है। हिंदू शास्त्रों में वर्णित प्रसिद्ध रिनमुक्तेश्वर और स्थित शिव लिंगों के साथ-साथ मंदिर परिसर के भीतर भगवान गणेश और भगवान नंदी की स्थानीय लोग पूजा करते हैं। इसके चारों ओर एक पुराना बरगद का पेड़ और छोटी मूर्तियाँ हैं जो अपनी आध्यात्मिक शक्ति के लिए जानी जाती हैं। पहेलियों के गुणों और कुएं के गुणों से भरपूर है, जो कि स्वास्थ्य में सुधार करने के लिए जरूरी है। महाशिवरात्रि , अमावस्या और कार्तिक पूर्णिमा पर, श्रावण के शुभ मुहूर्त में, मंगल को दहन के लिए ऐसा ही होगा ।

अंतर्जनपदीय वाहन चोर गैंग का पर्दाफाश 17 चोरी की मोटरसाइकिल बरामद 4 अभियुक्त गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। जनपद प्रयागराज अतरसुइया पुलिस ने बड़े वाहन चोर का पर्दाफाश करते हुए 4 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया जिनके कब्जे से दो मोटरसाइकिल वह उनकी निशानदेही पर 15 मोटरसाइकिल ले बरामद करने में बड़ी कामयाबी हासिल की है गिरफ्तार किए गए अभियुक्त चोरी करने के बाद गाड़ियों को भेजते नहीं थे बल्कि किसी के यहां परिजनों की बीमारी का बहाना बनाकर गिरवी रख देते थे आज पुलिस लाइन के सभागार में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सभी अभियुक्तों को मीडिया के सामने पेश किया गया पुलिस अधीक्षक नगर संतोष कुमार मीणा ने बताया कि इनकी गैंग के तीन सदस्य भी फरार हैं जिनकी गिरफ्तारी शीघ्र की जाएगी।

अक्षय नवमी का मेला 1 एवं 2 नवंबर को

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। 30 अक्टूबर प्रयागराज,अक्षय नवमी मेला कमेटी की एक आवश्यक बैठक भारद्वाज आश्रम में की गई बैठक की अध्यक्षता करते हुए कमेटी के अध्यक्ष लोकमणी गोस्वामी जी ने बताया कि अक्षय नवमी का मेला महर्षि भारद्वाज आश्रम कर्नलगंज प्रयागराज के प्रांगण में सनातन धर्म से गोस्वामी समाज के द्वारा आयोजित किया जाता है और सनातन धर्म की परंपरा के अनुसार अक्षय नवमी का दो दिवसीय मेला 1 नवंबर से 2 नवंबर तक आयोजित किया जाएगा और कहा कि ऐसी मान्यता है कि नवमी के दिन आंवले के पेड़ की पेड़ के नीचे पूजा करने और भोजन करने से परिवार में यश धन की प्राप्ति होती है बैठक का संचालन अनिल गोस्वामी ने करते हुए कहा कि यह मेला इस वर्ष भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा जिसमें दूर-दूर से लाखों की संख्या में श्रद्धालु लोग आएंगे।

यात्रियों की भरमार फिर भी इंडिगो ने मुंबई पुणे और बंगलूरू के कम कर दिए फेरे

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। एयरपोर्ट से सर्वाधिक यात्रियों की आवाजाही मुंबई, पुणे और बंगलूरू के लिए है, लेकिन इन तीनों ही महानगरों की ओर जाने वाली उड़ानों के इंडिगो ने फेरे कम कर दिए हैं। फेरे कम करने से अब संबंधित शहरों का हवाई किराया भी बढ़ गया है। इससे यात्री काफी निराश हैं। प्रयागराज एयरपोर्ट भले ही ग्राहक संतुष्टि मामले में देश के टॉप टेन एयरपोर्ट में शामिल हो गया हो लेकिन यहां से संचालित तमाम फ्लाइट के फेरे इंडिगो ने कम कर दिए हैं।

कानपुर के हॉस्पिटल में महिला कि मौत पर परिजनों ने किया हंगामा

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। परिजनों का आरोप 4 दिनों में लिया गया 5 लाख रूपये। ग्वालटोली थाना क्षेत्र के कनिष्क हॉस्पिटल का मामला। थाना ग्वालटोली में अभियोग पंजीकृत किया गया।

नैनी विद्युत भंडार केंद्र के वर्कशॉप में लगी आग, ट्रांसफार्मर हुए खाक़

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। नैनी विद्युत भंडार केंद्र स्थित वर्कशॉप में मरम्मत के दौरान सिलेंडर से निकली चिंगारी से ट्रांसफार्मरों के भंडार में आग लग गयी। देखते ही देखते आग की लपटें स्टोर में फैल गयीं। आसपास कोई पानी का स्त्रोत न होने से आग को फैलने से नही रोका जा सका। सूचना पर पहुंची नैनी फ़ायर ब्रिगेड की टीम आग बुझाने में लगी हुई हैं। आग के कारण कई ट्रांसफार्मर खाक़ हो गए। बता दें कि मरम्मत होने लायक़ खराब ट्रांसफार्मरों को यहाँ ठीक किया जाता है।

नैनी प्रयागराज के अरैल घाट पर उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ व्रत का समापन

(आधुनिक समाचार सेवा)

नैनी। नदियों, सरोवरों और घरों में लोगों ने सोमवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर छठ व्रत का पारन किया। प्रयागराज में गंगा घाट पर मिट्टी के कारण छठ पूजन के लिए पहुंचे लोगों की सांसत तो खूब हुई लेकिन उत्साह कम न हुआ। तमाम लोगों ने घाटों पर ही रात बिताई। रात भर छठी मैया के गीत गाए और बच्चों ने जम कर आतिशबाजी की। घाट-कुंड और वहां पूजन अर्चन की परंपरा का निर्वहन किया। गंगा किनारे सीमित स्थान, वरुणा के प्रदूषित जल व भीड़ से बचने के लिए तमाम लोगों ने घर की छतों या मैदानों में अस्थायी कुंड बनाए और उसमें ही छठ पूजन किया। श्रद्धा के महापर्व पर कई बुजुर्ग हाथ ऐसे दिखे जो अपने बेटों का हाथ पकड़ कर छठ घाट पहुंचे। बहू-बेटियों को पूजन करते देख विभोर हो उठे। बीच-बीच में पूजन की विधि भी बताते रहे। सिर पर फल व पूजन सामग्री का दउरा लिए उनका हाथ पकड़कर सूर्य सरोवर घाट पर परिवार पहुंचा।

प्रयागराज में अवैध निर्माणः 90 दिनों में 400 भवन मालिक को नोटिस, 100 से ज्यादा ध्वस्तीकरण आदेश

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। प्रयागराज विकास प्राधिकरण बिना नक्शा पास कराए भवन बनवाने वाले लोगों के खिलाफ सख्त रवैया अपना रहा है। ऐसे 400 से अधिक लोगों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। 100 से अधिक भवनों के लिए पीडीए ने ध्वस्तीकरण का आदेश पारित किया है। यह आदेश तीन माह में पारित किया गया है। प्रतिमाह 33 लोगों को ध्वस्तीकरण का आदेश जारी किया गया है। वहीं तीन माह में 210 लोगों ने ध्वस्तीकरण से बचने के लिए कंप्लीशन कराने के लिए आवेदन किया है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण बिना नक्शा पास कराए बने भवनों को ध्वस्तीकरण के लिए नोटिस जारी कर रहा है। आनलाइन नक्शा पास करने के लिए लगातार आवेदन आ रहे हैं। साथ ही बिना नक्शा पास कराए घर बनाने वाले कंपाउंडिंग के लिए आवेदन कर रहे हैं। देखा जए तो आनलाइन नक्शा पास कराने के आवेदन से ज्यादा कंपाउंडिंग के लिए आवेदन हो रहे हैं। कंप्लीशन का आवेदन आने से पीडीए को लगभग 20 करोड़ रुपये से अधिक राजस्व की प्राप्ति हुई है।

भरद्वाज आश्रम के विस्तार में ध्वस्त होंगे 22 मकान पीडीए ने 32 भू स्वामियों को दिया नोटिस

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। कुंभ 2025 को लेकर जिला प्रशासन की ओर से तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी के तहत भरद्वाज मुनि आश्रम के विस्तारीकरण का प्रस्ताव भी कुंभ की तैयारियों में शामिल किया गया है। पीडीए की तरफ से आश्रम के आसपास के मकानों को नोटिस भेजा गया है। कुंभ 2025 को लेकर जिला प्रशासन की ओर से तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी के तहत भरद्वाज मुनि आश्रम के विस्तारीकरण का प्रस्ताव भी कुंभ की तैयारियों में शामिल किया गया है। पीडीए की तरफ से आश्रम के आसपास के मकानों को नोटिस

भेजा गया है। नोटिस में भवन स्वामियों से 15 दिनों के भीतर भवन तोड़ने का निर्देश दिया गया है। ऐसा नहीं करने पर पीडीए की तरफ से भवन को तोड़ दिया जाएगा और उसको तोड़ने में होने वाले खर्च को भी पीडीए वसूलेगा। नोटिस मिलने के बाद से ही भवन स्वामियों के होश उड़े हुए हैं। नोटिस की जद में आईं करूणा देवी ने बताया कि उनके पास भवन और जमीन की रजिस्ट्री के कागज हैं, लेकिन पीडीए के अधिकारी उनकी सुनने को तैयार नहीं हैं। इसी प्रकार शिव जी गोस्वामी, दरियावनाथ गोस्वामी, पकौड़ी नाथ गोस्वामी, लिलिन गोस्वामी, पवन गोस्वामी आदि को भी पीडीए की तरफ से नोटिस थमा दिया गया है।

छठ पूजा को सुरक्षित और सफल बनाने के लिए एनडीआरफ घाटों पर तैनात

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। शहर स्थित 11 एनडीआरएफ सदैव से ही वाराणसी के साथ-साथ उत्तर- प्रदेश व मध्य प्रदेश में विभिन्न प्रकार की आपदाओं में राहत बचाव में अग्रणी रहती है। इसके अतिरिक्त धार्मिक आस्था और नजदीकी घाटों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा में गंगा नदी में तैनात किया गया है। इसके साथ ही वरुणा में शास्त्री घाट, सूर्य सरोवर, ब.रे.का वाराणसी और चन्दौली जनपद के मुगलसराय क्षेत्र में मानसरोवर तालाब एवं दामोदर दास कर्मी अधिक गहरे पानी वाली जगहों को चयनित कर श्रद्धालुओं को वहा ना जाने की हिदायत दे रहे हैं। एनडीआरएफ के बचाव कर्मी घाटों पर मोटर बोट व प्रशिक्षित गोताखोरों की सहायता से नदी में श्रधालुओं पर अपनी पैनी नज़र रख

के प्रतीक पवित्र स्नानों में लोगों की सुरक्षा के लिए भी तैनात होती है। कार्तिक महीने में मनाया जाने वाला छठ पूजा त्यौहार मुख्य रूप से सूर्यदेव की उपासना का पर्व है। इस पर्व पर लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए एनडीआरएफ वाराणसी के लगभग सभी मुख्य घाटों पर तैनात है। वाराणसी में एनडीआरएफ की छः टीमों को विभिन्न घाटों जैसे दशाश्वमेध घाट, राजघाट, पंचगंगा घाट, राजेंद्र प्रसाद घाट, केदार घाट, अस्सी घाट, सामने घाट, विश्वसुन्दरीघाट पोखरा में भी टीमों को सुरक्षा के दृष्टिकोण से तैनात किया गया है। एनडीआरएफ की 08 टीमें 26 नावों, वाटर एम्बुलेंस और लगभग 100 से अधिक बचावकर्मियों के साथ वाराणसी व चंदौली के प्रमुख घाटों पर मौजूद हैं। इन टीमों में गोताखोर, पैरामेडिक्स, डीप डाइविंग सेट, लाइफ जैकेट, लाइफ बॉय व अन्य बचाव उपकरणों के साथ छठ पूजा के दौरान घाटों पर तैनात है। छठ पूजा के पावन पर्व पर जहाँ लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ जमा होती है, ऐसे समय में एनडीआरएफ के बचाव हुए हैं और किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए तैयार है इस अवसर पर कमांडेंट श्री मनोज कुमार शर्मा, 11 एनडीआरएफ ने बताया कि छठ पूजा के दौरान गत वर्ष की भांति एनडीआरएफ की टीमें वाराणसी के घाटों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए तैनात की गयी हैं और मैं सभी श्रद्धालुओं से अनुरोध करता हूँ कि वे सावधानी बरतते हुए इस पर्व को मनाएं और एनडीआरएफ पूरी श्रद्धा के साथ उनके इस पर्व को सफल बनाने के लिए उनकी सुरक्षा में तैनात है।

उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ व्रत का समापन, काशी में गूंजे छठी मैया के गीत

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। नदियों, सरोवरों और घरों में लोगों ने सोमवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर छठ व्रत का पारन किया। वाराणसी में गंगा के बढ़े जल स्तर व घाटों पर मिट्टी के कारण छठ पूजन के लिए पहुंचे लोगों की सांसत तो खूब हुई लेकिन उत्साह कम न हुआ। तमाम लोगों ने घाटों पर ही रात बिताई। रात भर छठी मैया के गीत गाए और बच्चों ने जम कर आतिशबाजी की। घर-मैदान में बनाए घाट-कुंड और वहां पूजन अर्चन की परंपरा का निर्वहन किया। गंगा किनारे सीमित स्थान, वरुणा के प्रदूषित जल व भीड़ से बचने के लिए तमाम लोगों ने घर की छतों या मैदानों में अस्थायी कुंड बनाए और उसमें ही छठ पूजन किया। श्रद्धा के महापर्व पर कई बुजुर्ग हाथ ऐसे दिखे जो अपने बेटों का हाथ पकड़ कर छठ घाट पहुंचे। बहू-बेटियों को पूजन करते देख विभोर हो उठे। बीच-बीच में पूजन की विधि भी बताते रहे। सिर पर फल व पूजन सामग्री का दउरा लिए उनका हाथ पकड़कर भगवान भास्कर की पूजा-आराधना -घरों से घाटों तक लोक के गीत सूर्य सरोवर घाट पर परिवार पहुंचा। लोक मानस की आस्था से जुड़े महापर्व डाला छठ पर अस्ताचल गूंजे तो सोमवार की सुबह उदित सूर्यदेव को दूध-जल की धार समर्पित कर पर्व का समापन हुआ। जय हो सुरुज बाबा की दोहाई दीना नाथ आपन अर्घ्य स्वीकार करीं देवता। आ पूरा करीं मनसा हमार। ऐसी ही कातर प्रार्थनाओं के साथ लाखों 'अंजुरियां' एक साथ जुड़ीं और नीर-क्षीर की अर्घ्य धार से नदी-तालाबों का पानी दूधिया हो गया।लोक मानस की आस्था से जुड़े सूर्य आराधन के महापर्व डाला छठ का दूसरा दिन और मौका उगते सूर्य को अर्घ्य दान का। सोमवार को सुबह की बेला शुरू होते ही श्रद्धा और आस्था की मजबूत डोर से बंधे लाखों लाख कदम बढ़ चले नदियों और सरोवरों की ओर।

आजमगढ़ में पेन गन सहित कारतूसों और असलहों का अवैध कारोबार, पाकिस्तान तक जुड़े हैं तार

(आधुनिक समाचार सेवा)

आजमगढ़। जिले के बिलरियागंज थाना के पतिला गौसपुर व फलाह नगर में यूपी एटीएस व पुलिस की छापेमारी में दो युवकों के पाकिस्तान और दुबई के संपर्क सामने आने के बाद सुरक्षा एजेंसियों के होश उड़ गए हैं। इसके अलावा देश भर में उनके द्वारा कारतूस सप्लाई करने के साथ ही पेन गन बनाए जाने की जानकारी ने पूछताछ और कार्रवाई के दायरे को बढ़ा दिया है। कर भारी मात्रा में हथियार के साथ अंतर प्रांतीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सनसनीखेज बातें सामने आई हैं। अवैध शस्त्रों के कारोबार के लिए शहर का एक लाइसेंसी गन हाउस सेतु का काम करता था। एटीएस की कार्रवाई में मामला उजागर हुआ, तो प्रशासन ने गन हाउस को सील कर दिया है। जानकारी में यह भी सामने आया है कि यू ट्यूब से देखकर उन लोगों ने पेन गन तक बना डाला था। इसका प्रयोग किस पर किया जाना है यह जानकारी एजेंसियां जुटाने में लगी हुई हैं। यूपी एटीएस को सूचना मिली कि आफताब आलम निवासी फलाहनगर व मैनुद्दीन शेख निवासी पतिला गौसपुर थाना बिलरियागंज बड़े पैमाने पर अवैध शस्त्र का कारोबार करते हैं और गन हाउस से कारतूस प्राप्त कर गैर कानूनी तौर से बिक्री करते हैं। पुलिस व एटीएस की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। इनके घरों से भारी मात्रा में अवैध हथियार, कारतूस व बनाने के उपकरण आदि बरामद हुए। एटीएस की पूछताछ में मैनुद्दीन शेख ने बताया कि वह धंधे को काफी दिनों से कर रहा है। देवारा क्षेत्र के कुड़ही ढाला के पास इब्राहिमपुर गांव में अपने खेत में अवैध हथियार बनाने हेतु एक कारीगर को रखते हुए फैक्ट्री लगाई थी। बाढ़ आने पर फैक्ट्री का संचालन घर से करता था। हथियारों को आफताब आलम तथा काजी गन हाउस आसिफगंज पांडेय बाजार रोड के संचालक सैयद काजी अरशद के माध्यम से पूर्वांचल के विभिन्न जिलों में तस्करी करता था। जांच में मैनुद्दीन के नेपाल, पाकिस्तान व दुबई तक कनेक्शन प्राप्त हुए हैं। एटीएस को तलाशी के दौरान आरोपितों के घरों से बंदूक, रिवाल्वर व अत्याधुनिक हथियार पेन गन बरामद हुआ है। शहर के पांडेय बाजार मोहल्ले में स्थित काजी गन हाउस से अवैध शस्त्रों की सप्लाई करते थे। पुलिस ने उसे सील कर दिया है। वहीं, संचालक फरार हो गया है। एटीएस की जांच में इनके तार पाकिस्तान, नेपाल व दुबई तक फैले हुए है।

शिव की नगरी में बिखरी छठ की छटा,36 घंटे की तपस्या में आज अस्ताचलगामी सूर्य को दिया जाएगा अर्घ्य

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। लोक आस्था के महापर्व छठ का रंग वाराणसी व भृगुनगरी की समेत पूरे पूर्वांचल में देखने को मिल रहा है।आज रविवार शाम काशी के घाटों पर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा। सिर पर दउरा लेकर घाटों पर जाते लोग, सोलह श्रृंगार में सजकर मौसमी फलों से भरा सूप सिर पर उठाए घाट की ओर जातीं व्रती महिलाएं और उनके परिजन। दीपों और गन्नों की ढेरियों से सुसज्जित सुशुभिताएं। मारवो रे सुगवा जैसे गीत गाती महिलाएं। पटाखे जलाते बच्चे, ढोल नगाड़े के बीच छठ मइया के जयकारों से गूंजते गीत। कुछ ऐसा ही नजारा रविवार शाम काशी के हर घाटों पर दिखा। घाटों पर आस्था, विश्वास व त्रिवेणी बह उठी। पूजन-अर्चन के दौरान नजारा अलौकिक रहा। लोक आस्था के महापर्व छठ का रंग वाराणसी समेत पूरे पूर्वांचल में देखने को मिल रहा है। इस पावन नगरी के गंगा घाटों कुंडों और सरोवरों पर दो साल बाद इतनी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे।अस्सी और दशाश्वमेध समेत विभिन्न घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी है। गंगा घाटों के साथ शहर के कुंडों, तालाब व सरोवरों की सजावट की गई है। कहीं शहनाई बज रही है तो कहीं बैंड बाजे। इस विहंगम दृश्य को देखने के लिए दूर-दराज से तो लोग आए ही हैं लेकिन विदेशियों के लिए यह मेला किसी अचरज से कम नहीं है। नहाय खाय के साथ शुक्रवार को शुरू चार दिन का यह पर्व सोमवार को उदयगामी सूर्य को अर्घ्य देने के बाद पूरा होगा। घरों में हौज तो कुछ घरों में स्वीमिंग पूल में आयोजन हो रहा है। व्रती महिलाएं परिवार की खुशहाली व सुख समृद्धि के लिए पूजा करेंगी। खरना के बाद रविवार को छठ का तीसरा दिना है। आज अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा, जबकि सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। वाराणसी समेत पूर्वांचल के अन्य जिलों के घाटों पर छठ व्रती डूबते हुई सूर्य को अर्घ्य देकर भगवान भास्कर की उपासना करेंगे। अर्घ्य को लेकर काशी के गंगा घाटों, कुंडों और सरोवरों पर खास व्यवस्था की गई है।वाराणसी कमिश्नरेट के समस्त प्रमुख घाटों एवं कुंडों पर समुचित सुरक्षा व्यवस्था लगाई गई है। डीसीपी काशी एवं वरुणा को निर्देशित किया गया है कि प्रमुख पूजा स्थानों का स्वयं भ्रमण करें।एडीसीपी ट्रैफिक को टास्क दिया गया है कि श्रद्धालुओं को यातायात संबंधित कोई असुविधा न हो। कमिश्नरेट के सभी एंटी रोमियो स्क्वाड की ड्यूटी संवेदनशील इलाकों में लगाई गई है।

विश्व वैदिक सनातन संघ प्रमुख सीएम को सौंपेंगे अपनी और स्वजनों की बैंक डिटेल

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। ज्ञानवापी से संबंधित मुकदमों की पावर ऑफ अटार्नी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को देने के साथ ही विश्व वैदिक सनातन संघ के बैंक खाते में 31 अक्टूबर 2022 तक जमा संपूर्ण धनराशि का विवरण जब से बैंक अकाउंट खोला है तब से अब तक की बैंक स्टेटमेंट के साथ उन्हें सौंपा जाएगा। यह कहना है विश्व वैदिक सनातन संघ के प्रमुख जितेंद्र सिंह विसेन का। वह कहते है कि इसी के साथ परिवार के सभी सदस्यों के बैंक अकाउंट में जमा रकम आज दिनांक 31 अक्टूबर तक जो भी है जितनी भी है वह संपूर्ण धनराशि पिछले दो वर्ष के विवरण (बैंक स्टेटमेंट) के साथ मुख्यमंत्री को सौंपी जाएगा। बातें दें कि ज्ञानवापी से जुड़े मामलों जिसमें विश्व वैदिक सानतन संघ या उससे जुड़े लोग वादी या पक्षकार है। उसे मुख्यमंत्री को सौंपना चाहते हैं। संघ के प्रमुख जितेंद्र सिंह विसेन का कहना है कि इसके लिए कानूनी प्रक्रिया चल रही है। 15 नवम्बर को मामलों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंप दिया जाएगा। उनका कहना है कि ज्ञानवापी को लेकर विभिन्न अदालतों में चल रहे पांच मुकदमों को विश्व वैदिक सनातन संघ देख रहा है। इसमें ज्ञानवापी परिसर स्थित मां श्रृंगार गौरी के नियमित दर्शन-पूजन समेत अन्य मांगों को लेकर जिला जज की अदालत में राखी सिंह समेत पांच महिलाओं की ओर से दाखिल मुकदमा है। इसके साथ ही किरन सिंह की ओर से सिविल जज फ़ास्ट ट्रैक कोर्ट सीनियर डिवीजन की अदालत में दाखिल प्रार्थना पत्र है। इसमें ज्ञानवापी परिसर में मुस्लिमों के प्रवेश पर रोक समेत अन्य मांग की गई है। इसमें जितेंद्र सिंह विसेन पैरोकार हैं। इसके अलावा तीन अन्य मामलों को विश्व वैदिक संघ देख रहा है।

सीधे प्रवेश
100% Placement
15% Fee Concession
नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
(पहले आओ पहले पाओ)
❖ प्रशिक्षण में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को रोजगार पाने का पूर्ण अवसर
❖ हाइस्कूल में 60% से उपर अंक लाने वाले छात्रों को प्रशिक्षण शुल्क में 15% प्रतिशत की छूट दी जायेगी।
➢ कम्प्युटर आपरेटर (कोपा)
➢ डेटा इंट्री आपरेटर
➢ फायर सेफ्टी
➢ कम्प्युटर टीचर ट्रेनिंग
➢ इलेक्ट्रीशियन
➢ सीएनसी प्रोग्रामिगं
➢ इलेक्टिक मैकैनिक
फिटर
वेल्डर
सीसीए
रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
सिक्योरिटी सर्विस
बेसिक कम्प्युटर
कम्प्युटर हाडवेयर
Apply Online: www.nainiti.com
Mail us at – info@nainiti.com
प्रवेश हेल्पलाइन नं0
8081180306 , 9415608710 , 8103021873
⇨ इण्डियन कॉफी हाउस के सामने तुलसीयानी प्लाजा , तीसरी मंजिल , सिविल लाइन , प्रयागराज।

आजमगढ़ में छठ पूजा में शामिल होने गए पांच किशोर सरयू नदी में डूबे, दो की मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)

आजमगढ़। अतरौलिया और रानी की सराय क्षेत्र में छठ पूजा के दौरान नदी और पोखरे में पांच किशोरों के डूब जाने से हड़कंप मच गया। इसमें तीन किशोरों को बचा लिया गया, जबकि दो की सांसें थम चुकी थीं। हादसे के बाद पूजा का उत्साह गम में बदल गया। अतरौलिया थाना क्षेत्र के भटपुरवा गांव निवासी सत्यम यादव की भाभी चमन छठ व्रत की थीं। पूरा परिवार तड़के घाट भरसानी गांव स्थित छोटी सरयू नदी किनारे उगते भगवान भाष्कर को अर्घ्य देने के लिए घर से निकला था। चमन पानी में उतर सूर्यदेव के उगने का इंतजार करने लगीं, जबकि परिवार के लोग पर्व की खुशियों में डूबे हुए थे। उसी समय सत्यम और रिश्तेदारी आए दो सगे भाई अनिकेत, अभिषेक और एक अन्य किशोर ने वहां से कुछ दूर जाकर सरयू में नहाने के लिए छलांग लगा दी। चारों को गहरे पानी में जाने का लोगों को एहसास हुआ तो चीख-पुकार मच गई। वहां मौजूद भरसानी गांव के दो युवक मिर्जा और विकास किशोरों को बचाने के लिए नदी में कूदे तो तीन को बचा लाए, जबकि सत्यम गहरे पानी में समा चुका था। मशक्कत के बाद सुबह सत्यम को गहरे पानी से निकाला गया, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। 11वीं का छात्र सत्यम दो भाइयों में छोटा था। घटना की जानकारी होते ही बुआ के यहां पूजा में शामिल होने दो सगे भाई अनिकेत और अभिषेक पुत्र रामकुमार निवासी भोराजपुर के स्वजन पहुंच गए और दोनों को सुरक्षित देख संतोष की सांस ली, लेकिन सत्यम की मौत का दुख उनके चेहरे पर स्पष्ट नजर आ रहा था।रानी की सराय : तमौली गांव में अर्घ्यदान से पहले स्नान करते समय पोखरे में डूबने से किशोर की मौत हो गई। उसी गांव के राहुल यादव की मां व्रत थीं। भोर में परिवार के लोग पोखरे पर गए थे।

पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा छठ महापर्व पर सुरक्षा के दृष्टिगत पर्याप्त पुलिस बल लगाते हुए जनपद वासियों से पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने व सावधानी बरतने की गयी अपील

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिर्जापुर। पुलिस अधीक्षक मीरजापुर संतोष कुमार मिश्राङ्ग द्वारा छठ महापर्व पर सुरक्षा के दृष्टिगत सम्पूर्ण जनपद को जोन/

सेक्टर मे बांट कर समस्त अपर पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारीगण के कुशल पर्यवेक्षण में विभिन्न घाटों/जलाशयों/आयोजन स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल की ड्यूटी लगाकर व्यवस्था को चाक-चौबन्द करने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया । पर्व में बालिकाओं/महिलाओं की सुरक्षा हेतु एंटीरोमियो टीम तथा सादे परिधान व वर्दी में विभिन्न महिला पुलिस बल की ड्यूटी लगाकर पर्व को शान्तिपुर्ण तरीके से सकुशल सम्पन्न कराने हेतु सम्बन्धित को आवश्यक निर्देश दिये गये है । जेबकतरों, टप्पेबाजो व अवांछित तत्वों से निपटने हेतु विशेष पुलिस बल का गठन कर मुख्य मार्गों/चौराहो व आयोजन स्थलों पर लगाकर सतर्क दृष्टि रखते हुए आवश्यक कार्यवाही करने हेतु सम्बन्धित को आदेशित किया गया है । घाटों/जलाशयों/आयोजन स्थलों की निगरानी हेतु ड्रोन कैमरा व सीसीटीवी कैमरा लगाया गया है तथा विभिन्न स्थलों पर सहायता केन्द्रों का गठन किया गया है । घाटों/जलाशयों/आयोजन स्थलों पर गहरे पानी से बचाव हेतु पर्याप्त बैरिकोटिंग करते हुए जल पुलिस, एसडीआरएफ, स्थानीय गोताखोरो व पुलिस प्रबन्धन किया गया है । इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा छठ पर्व के व्रतियों, दर्शनार्थियों एवं समस्त जनपदवासियों को छठ पर्व की बधाई देते हुए उन्हे अपने स्वविवेक का प्रयोग करते हुये सुरक्षा के दृष्टिगत सतर्क रह कर जारी गाइडलाइन का पालन कर पुलिस प्रशासन का सहयोग करते हुए पर्व को खुशहाली एवं शान्तिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की गयी ।

अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को अर्घ्य देने उमड़ा भक्तों का सैलाब

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। हाथ जोड़ करिला विनितिया, सुनी ल अरजी हमार हे छठी मइया। हे छठी मइया दे दी आशीर्बदवा अपने पुजनवा के हो आदि छठी मइया के गीत गाते हुए व्रती महिलाएं रविवार की शाम छठ घाट के लिए नंगे पांव निकली। गाजे-बाजे के साथ निकली टोलियों में आगे-आगे परिवार के पुरुष सदस्य पूजन सामग्री से भरी दउरी और गन्ना लेकर चल रहे थे तो उनके पीछे छठ के पारंपरिक गीत गुनगुनाती महिलाएं थीं। परिवार की मंगलकामनाओं के साथ व्रती महिलाओं ने रविवार को अस्ताचलगामी (डूबते) सूर्य को पहला अर्घ्य अर्पित किया। छह घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर फोर्स अलर्ट रही। श्रद्धालुओं की भीड़ से खचाखच भरे नदी-तालाब और जलाशयों के घाटों पर हर तरफ छठ पूजा की अलौकिक छटा छाई रही। सोमवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य

देकर महिलाएं व्रत का पारण करेंगी। चार दिवसीय सूर्योपासना का महापर्व डाला छठ व्रत रखने के लिए पिछले कई दिनों से घर से लेकर बाजार तक तैयारियां चल रही थीं। पूजा में उपयोग होने वालों एक-एक सामान जुटाने में महिलाएं तल्लीन रहीं। रविवार की सुबह से ही घरों में छठ पूजा का प्रसाद बनाने का क्रम शुरू हो गया था। दोपहर दो बजे बाद श्रद्धालुओं की भीड़ छठ घाटों की ओर बढ़ चली। कई व्रती महिलाएं लेटते हुए छठ घाट पहुंची। घाटों पर पहुंचने के बाद वेदी पर जल कलश रखकर महिलाओं ने पूजा की। फिर पानी में खड़े होकर छठ मइया की स्तुति में जुट गई। शाम पांच बजे के बाद भगवान भाष्कर अस्ताचल हुए तो अर्घ्य देने का क्रम शुरू हो गया। व्रतियों ने सूर्य को अर्घ्य देकर छठ की पहली पूजा पूरी की। राबर्ट्सगंज नगर के रामसरोवर तालाब, अकड़हवा पोखरा, घुवास खुर्द नहर, बढ़ौली पोखरा, बरकरा पोखरा, मेहुड़ी पोखरा, देवरी पोखरा सहित अन्य छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। ईओ विजय कुमार यादव नगर पालिका कर्मचारियों के साथ छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की व्यवस्था में जुटे रहे।

अज्ञात वाहन के टक्कर से स्कूटी सवार महिला की मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिर्जापुर। लालगंज-कलवारी मार्ग पर

मलुआ गांव के पास रविवार की शाम अज्ञात वाहन के टक्कर से स्कूटी सवार महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। महिला को उपचार के लिए पटेहरा पीएचसी ले जाया गया। जहां हालत गंभीर होने पर महिला को मंडलीय अस्पताल रेफर किया गया। मंडलीय अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टर ने महिला को मृत घोषित कर दिया। थाना क्षेत्र के नेवढ़िया गांव निवासी ममता (36) पत्नी राम सुंदर रविवार की शाम अपने भाई प्रियांशू और पुत्री के साथ स्कूटी से मड़िहान जा रही थीं। क्षेत्र के मलुआ गांव के पास अज्ञात वाहन चालक स्कूटी में टक्कर मारने के बाद भाग गया। टक्कर लगने से स्कूटी अनियंत्रित होकर पलट गई। इससे ममता गंभीर रूप से घायल हो गईं। परिजन उन्हें उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। जहां हालत गंभीर देख चिकित्सक ने मंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया। उन्हें 108 एंबुलेंस की मदद से मंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डाक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस हादसे में स्कूटी पर सवार अन्य लोगों को हल्की चोट लगी, जबकि ममता के सिर में अधिक चोट लगने से उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। संत नगर थाना प्रभारी कमल टावरी ने बताया कि अज्ञात वाहन के टक्कर से स्कूटी सवार महिला की मौत हो गई। मामले की जांच की जा रही है।

मठना को तीन अंक से हराकर जुड़ई ने ट्राफी पर किया कब्जा

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिर्जापुर। हसौली गांव में शनिवार को देर रात बिजली की रोशनी में कबड्डी प्रतियोगिता का फाइनल हुआ। इसमें जुड़ई की टीम ने मठना को तीन अंक से पराजित कर विजेता ट्राफी पर कब्जा कर लिया। रोमांचक मुकाबले में स्कोर 14-11 रहा। शनिवार को रात करीब नौ बजे आयोजित फाइनल मुकाबले को देखने के लिए काफी संख्या में लोग पहुंचे। आयोजक शीतला प्रसाद द्विवेदी एवं ग्राम प्रधान अरुण त्रिपाठी ने विजेता टीम को ट्राफी, मेडल एवं व्यक्तिगत इनाम दिया। जुड़ई टीम के ऋषभ भारद्वाज को टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। इससे पहले सेमीफाइनल मुकाबले में मठना ने 23-12 के अंतर से मिर्जापुर की टीम को पराजित कर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल मुकाबले में अभिनव चौहान एवं संदीप दुबे ने अंपायर की भूमिका निभाई। कमेंट्रेटर की भूमिका ओमप्रकाश द्विवेदी एवं स्कोरर की भूमिका में राकेश द्विवेदी ने निभाई। इस दौरान आशीष द्विवेदी, प्रताप नारायण दीक्षित, सदावृक्ष सिंह, डॉ. योगेश्वर द्विवेदी, रजनीश दुबे, त्रिभुवन नाथ दुबे, गोपाल सोनकर, कुमार बियार, सोनू बियार, शेखर सिंह, ओमकार भारती, रिंकेश्वर दुबे आदि मौजूद रहे।

ट्रक व कार की टक्कर में दो घायल

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिर्जापुर। राजगढ़ थाना क्षेत्र के धनसिरिया गांव के पास रविवार को भोर में कार व ट्रक की आमने-

सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में कार सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजगढ़ में भर्ती कराया। जहां हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने दोनों को मंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया। झारखंड प्रदेश के गढ़वा जिला के करवा खुर्द गांव निवासी कृष्ण कांत उपाध्याय (50) व बिलरिया गांव निवासी ऋषि पांडेय (40) अहमदाबाद से कार से अपने घर झारखंड जा रहे थे। रास्ते में धनसिरिया गांव स्थित पेट्रोल पंप के पास पहुंचे थे, इस बीच सामने से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दिया। इस हादसे में कार सवार दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। कार चालक ऋषि पांडेय वाहन में फंस गए। मौके पर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। कार का गेट तोड़कर किसी तरह चालक को बाहर निकाला गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजगढ़ में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने दोनों को मंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया।

शोभायात्रा के साथ करिश्माई साधना व वार्षिक पल्ली सपन्न

(आधुनिक समाचार सेवा)

दुद्धी। स्थानीय कृपाओं की माता चर्च में चल रहा तीन दिवसीय आध्यात्मिक करिश्माई साधना व वार्षिक पल्ली भव्य शोभायात्रा यात्रा के साथ रविवार को सम्पन्न हो गया। शोभायात्रा फादर

वलेरियन डिसूजा की अगुवाई में निकली। अध्यात्मिक सत्संग साधना का संचालन फादर सोनेलाल लाजरूस के द्वारा किया गया। कृपाओं की माता चर्च दुद्धी, रोमन कैथोलिक ईसाई समुदाय के लिए प्रांतीय तीर्थ स्थल घोषित है जो मां मरियम को समर्पित है। यहां पर विभिन्न स्थानों से लोग आकर माता मरियम का दर्शन करते हैं । रविवार को माता को पालकी में सजा कर शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें तीर्थयात्रियों ने भाग लिया। यह शोभायात्रा माता चर्च से रेलवे स्टेशन रोड से रामनगर बस स्टैंड होते हुए पुनः चर्च पहुंच कर समाप्त हो गई। मुख्य अनुष्ठाता इलाहाबाद धर्मप्रांत के प्रशासक फादर लुईस मस्करेनस पूजा संपन्न कराई। मुख्य रूप से अध्यक्ष मिंटो जोस, दुद्धी के फादर वलेरियन डिसूजा,फादर रोनाल्ड,फादर रेमंड डिसूजा, फादर आर्ची, सुनील,अल्बर्ट सहित अनूप मसीह, पवन मसीह, जॉनसन, सिरिल, सौरभ, आदि मौजूद रहे।

10 लाख रुपये कैशलेस इलाज योजना हो लागू

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। यूपी बार काउंसिल के उपाध्यक्ष एवं एडवोकेट हाईकोर्ट लखनऊ जयनारायण पांडेय ने अधिवक्ताओं एवं उनके परिवार के

लिए 10 लाख रुपये के कैशलेस इलाज की योजना लागू करने की मांग उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक से की है। अधिवक्ताओं ने मांग को जायज बताते हुए समर्थन किया है। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री/स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक को 20 अक्तूबर को भेजे पत्रक में यूपी ब काउंसिल के उपाध्यक्ष एडवोकेट हाईकोर्ट जयनारायण पांडेय ने अवगत कराया है कि प्रदेश सरकार द्वारा अधिवक्ताओं एवं उनके परिवार के इलाज के लिए कोई प्रबंध नहीं किया गया है, जिसकी वजह से समुचित एवं बेहतर इलाज की सुविधा नहीं मिल पाती है। उन्होंने पत्र में कहा है कि यूपी बार काउंसिल आपसे अनुरोध करती है कि प्रदेश भर के प्रत्येक अधिवक्ता एवं उनके परिवार के बेहतर इलाज के लिए 10 लाख रुपये के कैशलेस इलाज की योजना लागू करने हेतु उचित दिशा-निर्देश जारी करें, ताकि आपके स्वास्थ्य मंत्री पद पर रहने के दौरान प्रदेश भर के अधिवक्ताओं एवं उनके परिवार के लोगों को समय से बेहतर इलाज की सुविधा मुहैया कराई जा सकें। इसके लिए अधिवक्ता समाज सदैव आभारी रहेगा।

सरकारी धन के गबन का आरोपी गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिर्जापुर। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में कूटरचित दस्तावेज व पत्नी का बैंक खाता लगाकर सरकारी धन का गबन करने के आरोपी पति को रविवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को पुलिस ने जेल भेज दिया।

आरोपी के खिलाफ खंड विकास की तरफ से मुकदमा दर्ज कराया गया था। राजगढ़ विकास खंड के किसान इंटर कॉलेज में वर्ष 2021-22 में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया था। आरोप है कि इसमें विकास खंड के रैकरी गांव निवासी संजीत कुमार ने फर्जी दस्तावेज बनाकर विवाहित युवती का पुनर्विवाह कराया। विवाह में मिलने वाला सरकारी धन आरोपी ने अपनी पत्नी के खाते में मंगाकर हड़प लिया। मामला संज्ञान में आने पर तत्कालीन खंड विकास अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने जांच पड़ताल शुरू की। जांच में यह मामला सामने आया कि रैकरी गांव निवासी संजीत कुमार ने पटेहरा विकास खंड के खंतरा गांव निवासी युवती का विवाह कराने के लिए उसके परिजनों से मिलकर एक वर्ष पहले उनका दस्तावेज लिया था। इस दरम्यान युवती की शादी कहीं और हो गई। आरोप है कि संजीत कुमार ने विवाहित युवती का दस्तावेज बदलकर उसे लहौरा ग्राम पंचायत के गगोदरा गांव का निवासी बता दिया। रैकरी गांव की कुसुम नामक महिला की बैंक खाता संख्या लगा दी। इसके साथ ही रैकरी गांव निवासी डंगर मुसहर के नाम पर आय व जाति प्रमाण पत्र फर्जी तरीके से बनवाकर मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम 2021-22 में रजिस्ट्रेशन कराकर खंतरा गांव की विवाहित युवती का विवाह करा दिया। इसके बाद आरोपी ने अपनी पत्नी कुसुम देवी का बैंक खाता लगाकर सामूहिक विवाह में मिलने वाली प्रोत्साहन राशि हड़प ली। इस पर तत्कालीन विकास खंड अधिकारी ने सत्येंद्र कुमार पर सरकारी धन हड़पने का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने रविवार को आरोपी सत्येंद्र को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष राजगढ़ अरुण कुमार दुबे ने बताया कि सरकारी धन गबन करने के आरोपी संजीत को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

बियार को अनुसूचित जाति में शामिल करने की मांग

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिर्जापुर। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल की तरफ से भरुहना पटेल चौक स्थित जन संपर्क कार्यालय में रविवार को जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान उन्होंने लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को लोगों की समस्याओं की यथाशीघ्र समाधान करने का निर्देश दिया। इस दौरान बियार समाज के लोगों ने उन्हें अनुसूचित जाति में शामिल करने के लिए ज्ञापन भी दिया। जन संवाद कार्यक्रम के दौरान लोगों ने भूमि, सड़क, स्वच्छता, व्यापार एवं चिकित्सा सुविधा आदि से संबंधित समस्याओं के बारे में केंद्रीय मंत्री को जानकारी दी। इस दौरान बियार समाज डेवलपमेंट सोसाइटी उत्तर प्रदेश के जिलाध्यक्ष सुमेर राम ने बियार समाज को अनुसूचित जाति की सूची में शामिल करने के लिए ज्ञापन दिया। इसी प्रकार एक संस्था ने उनको कौड़िया कला अदलहाट में होने वाले प्रतिभा सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। केंद्रीय मंत्री ने जन संवाद कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों को अपनी समस्याओं से अवगत कराने का आह्वान किया। उन्होंने देश व प्रदेशवासियों को प्रकृति को समर्पित भगवान सूर्य देव की उपासना के महापर्व छठ पूजा की बधाई भी दी। इसके बाद उन्होंने नगर वेव व्यवसायियों व कार्यकर्ताओं के घर शिष्टाचार मुलाकात की। उन्होंने राजेंद्र कुमार बिंद करनपुर, राधेश्याम पटेल कचरिया कांतिक विंध्याचल, रघुनाथ प्रसाद शर्मा विसुंदरपुर के घर पहुंचकर शोक भी जताया। इसके बाद हैहयवंशीय चक्रवर्ती सम्राट सहस्त्रार्जुन जी महाराज की जयंती कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। जन संवाद कार्यक्रम के दौरान जिलाध्यक्ष इं. रामलौटन बिंद, रेखा वर्मा, आनंद सिंह पटेल, दुर्गेश पटेल, रामवृक्ष बिंद, अशोक पटेल, हेमंत बिंद, राधेश्याम पटेल, विजय शंकर केसरी आदि मौजूद रहे।

अब वितरण प्रणाली की दुकानों पर भी मिलेगा ई-स्टांप, यात्रा टिकट

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। अब जिले के वितरण प्रणाली की दुकानों पर चावल, गेहूं के अलावा ई-स्टांप, सभी प्रकार के यात्रा टिकट समेत अन्य सुविधाएं मुहैया होगी। पहले चरण में जिले की 75 राशन की दुकानों को मॉडल शॉप के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए आपूर्ति विभाग ने दुकानों का चयन कर आयुक्त खाद्य तथा रसद विभाग को रिपोर्ट भेज दी है। निगमित सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) मद से दुकानों को मॉडल शॉप के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया गया है। आपूर्ति विभाग की मानें तो कोटे की दुकानों से जल्द ही ई-स्टांप भी मिलना शुरू हो जाएगा। यूपी सरकार के निर्देशों पर इन दुकानों को सहज जन सेवा केंद्र बनाने की दिशा में पहल तेज कर दी गई है। इसके लिए बकायदा कोटे की दुकान के लाइसेंस पर दुकानदार को पांच लाख रुपये तक

ई-मुद्रा लोन भी दिया जाएगा। शासन का निर्देश मिलते ही आपूर्ति विभाग ने कार्ययोजना बनाने में जुट गया है। पहले चरण में राबर्ट्सगंज, घोरावल, चतरा, नगवां, करमा, चोपन, कोन, दुद्धी, म्योरपुर और बभनी ब्लॉक क्षेत्र में 75 वितरण प्रणाली की दुकानों का चयन करने की कार्यवाही पूर्ण की गई है। राशन की दुकानों के मॉडल के रूप शुरू होने से ग्रामीणों को यहां ई-स्टांप, आधार, पेंशन, यात्रा टिकट, आय, जाति, जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र समेत तमाम सुविधाएं ऑन लाइन शुरू हो जाएंगी। अभी तक वितरण प्रणाली की दुकानों से मात्र गेहूं, चावल, नमक, तेल और चना मिलता है। सरकार की मंशा है कि गांवों में ग्राम सचिवालय की तरह कोटेदार भी एक ही छत के नीचे सरकार की सारी योजनाओं के लिए काम करते हुए ग्रामीणों को सुविधाएं मुहैया कराए। जिलापूर्ति अधिकारी गौरीशंकर शुक्ला की ओर से चयनित कोटे की दुकानों की सूची शासन को भेज दी गई है। सोनभद्र। कोटे की दुकानें में सहज जन सेवा केंद्र की सुविधाएं शुरू होने से कोटेदारों की आमदनी भी बढ़ेगी। इसके साथ ही दुकानों के आसपास रोजगार भी बढ़ेगा। दुकानदार अनाज के साथ अन्य जरूरी सामान भी अपने यहां रख सकते हैं ताकि उनकी आय बढ़ सकें। आपूर्ति विभाग की मानें तो आने वाले दिनों में और कोटे की दुकानों को मॉडल के रूप में विकसित किया जाएगा।

एक लाख से अधिक किसान सम्मान निधि से वंचित

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिर्जापुर। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 12वीं किस्त से जिले के 108958 किसान वंचित हो गए हैं। यह संख्या जिले में पंजीकृत किसानों की संख्या 350190 की लगभग 30 प्रतिशत है। जिले में वर्तमान में कृषि विभाग के पोर्टल पर 350190 किसान पंजीकृत हैं। इनमें से सदर तहसील क्षेत्र के 142311, चुनार के 109252, मड़िहान के 41339 तथा लालगंज के 57288 किसानों ने योजना का लाभ लेने के लिए पंजीकरण कराया है। इनमें से बीते 17 अक्तूबर को जारी सम्मान निधि की 12वीं किस्त का लाभ 219407 किसानों को ही मिल सका है। इसका मुख्य कारण पंजीकृत किसानों में से 76252 द्वारा अपने आधार कार्ड को बैंक के खाते को लिंक नहीं कराना बताया जा रहा है। इनके अलावा 32706 किसान ऐसे हैं, जिनके भूलेख या भूमि की खतौनी पोर्टल पर या तो अपलोड नहीं की गई अथवा वह शो नहीं कर रहा है। इसके साथ ही 21825 पंजीकृत किसान जांच में अपात्र पाए

गए हैं। अपात्र लोगों में मृत व भूमिहीन किसान भी शामिल थे। जिन लोगों का डाटा अपडेट था, उनके खातों में सम्मान निधि की धनराशि भेज दी गई। गांवों में इंटरनेट की समस्या भी है। किसानों का कहना है कि कभी साइबर कैफे का सर्वर डाउन रहता है तो कभी कोई और समस्या होती है। कई बार समय पर जानकारी ही नहीं मिल पाती है। कृषि विभाग का कहना है कि उनके कार्यालयों में जो किसान आए, उनकी सहायता की गई। हर विकास खंड व न्याय पंचायत स्तर पर यह जानकारी दी गई कि किसान अपने संबंधित क्षेत्र में ही सहज जनसेवा केंद्र, साइबर कैफे या समीपस्थ कृषि विभाग के केंद्र जाकर ई-केवाईसी करा लें। साथ ही बैंक खाते को आधार से लिंक कराने को भी कहा गया। उप निदेशक कृषि अशोक उपाध्याय का कहना है कि किसान अपने भूलेख की जानकारी पोर्टल पर डालकर आधार से बैंक खाते को लिंक करा लें। इससे उनको सम्मान निधि का लाभ मिल सकता है। जिसकी जितनी किस्त बची होगी, कमियां दूर होने पर उन्हें योजना का लाभ मिल सकता है।

निकायों में वार्डों के आरक्षण की प्रक्रिया तेज

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। नगर निकायों में वार्डो के आरक्षण की प्रक्रिया चल रही है। सीमा विस्तार वाली निकायों में आरक्षण नए सिरे से होना है, जबकि अन्य निकायों में पूर्व में रहे आरक्षण के अनुसार ही इस वर्ष आरक्षण तय होगा। जिला स्तर पर वार्ड निर्धारण के बाद इसकी सूची शासन को भेजी जाएगी। जिले की इकलौती नगर पालिका परिषद सोनभद्र का सीमा विस्तार हुआ है। सीमा विस्तार में 17 गांव शामिल किए गए हैं। इसी तरह ओबरा, रेणुकूट और चोपन नगर पंचायत का सीमा विस्तार हुआ है। वहीं अनपरा और डाला नई निकाय बनी है। इन निकायों में नये सीरे से वार्डों का आरक्षण किया जा रहा है। शेष निकायों में पिछली बार हुए आरक्षण को देखते हुए आरक्षण किया जाना है। जिले के सभी दस निकायों में वार्डों के आरक्षण की प्रक्रिया चल रही है।

जंगल में पेड़ के सहारे लटका मिला अज्ञात युवक का छत विछत शव

(आधुनिक समाचार सेवा)

अनपरा। स्थानीय थाना क्षेत्र के औडी-सिंगरौली मुख्य मार्ग पर जंगल में रविवार की सुबह पेड़ से रस्सी के सहारे एक अज्ञात युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव की स्थिति को देख 15 से 20 दिन पुरानी होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस द्वारा फांसी लगा कर आत्महत्या करने की बात कही जा रही है। पुलिस ने सड़े गले शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सीएचसी दुद्दी ले गई। पिपरी सीओ प्रदीप सिंह चंदेल ने एसओ की अगुवाई में फोर्स को शव की शिनाख्त करने के लिए लगा दिया है।रविवार की सुबह जंगल में लकड़ी काटने गए कुछ लोगों ने जंगल में रस्सी के सहारे लटकते सिर को देख स्तब्ध हो गए। वहीं मृतक के शरीर का अन्य भाग जमीन पर बिखरा हुआ था। इस घटना की सूचना लोगों ने तत्काल अनपरा थाने को दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। उधर शव मिलने की खबर मिलते ही काफी संख्या में लोग भी मौके पर पहुंच गए, लेकिन शव के क्षत विक्षप्त होने के कारण शिनाख्त नहीं हो सकी।शव की स्थिति को देख कर लगभग दो से तीन सप्ताह पूर्व होने की आशंका जताई गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्दी ले गई। खबर लिखे जाने तक शव की शिनाख्त नहीं हो सकी थी। इस संबंध में थाना प्रभारी भैया एसपी सिंह ने बताया कि शव काफी दिन पुराना है। जांच में प्रथम दृष्टया लग रहा है कि युवक ने फांसी लगाई है, इसकी पुष्टि घटना स्थल पर फंदे से लटकते सिर से की जा सकती है। वहीं शरीर का अन्य भाग सड़ कर जमीन पर गिरा था। शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है। शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेजा गया है। उन्होंने बताया कि मृतक आसमानी रंग का टीशर्ट, नीला रंग का लोवर और हाथ में कड़ा पहना हुआ है। कहा कि शव का पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का सही पता चल सकेगा।

दिनेश कार्तिक का अगले मैच में खेलने पर सस्पेंस, उनकी इंजरी पर भुवनेश्वर कुमार ने दिया अपडेट

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2022 में टीम इंडिया के लिए रेगुलर विकेटकीपिंग करने वाले सीनियर प्लेयर दिनेश कार्तिक भारत-साउथ अफ्रीका मैच के दौरान इंजर्ड हो गए। दूसरी पारी में जब भारत की

गेंदबाजी चल रही थी तब 15वां ओवर खत्म हो जाने के बाद वो अचानक से टीम इंडिया के फीजियो के साथ मैदान छोड़ते हुए नजर आए। इसके बाद विकेटकीपिंग के लिए रिषभ पंत को मैदान पर बुलाया गया। अब दिनेश कार्तिक की इंजरी कितनी गंभीर है इसके बारे में उस वक्त पता नहीं लग पाया था, लेकिन टीम के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने बताया कि आखिरी उन्हें क्या हुआ है। मैच के बाद भारतीय तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने बताया कि दिनेश कार्तिक को बैक से संबंधित कुछ परेशानी हुई है और हम सभी फीजियो के रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। भारत को अब अपना चौथा ग्रुप मैच बांग्लादेश के खिलाफ 2 नवंबर को खेलना है और ये मैच एडिलेड में खेला जाएगा। अब दिनेश कार्तिक इस मैच तक फिट हो पाते हैं या नहीं देखने वाली बात होगी, लेकिन अगर वो मैच फिट नहीं हो पाते हैं तो टीम इंडिया के पास रिषभ पंत के अलावा अन्य कोई विकल्प भी नहीं है। वैसे कार्तिक जिस तरह से मैदान छोड़कर लए उसे देखकर लग रहा था कि उन्हें कुछ गंभीर समस्या हुई है। वो फीजियो का सहारा लेकर और लंगड़ाकर चलते हुए नजर आए थे। टी20 वर्ल्ड कप 2022 में दिनेश कार्तिक ने भारत के लिए तीन शुरुआत मैच अब तक खेले हैं। पाकिस्तान के खिलाफ उन्होंने पहला मैच खेला था जिसमें उन्होंने एक रन बनाए थे जबकि विकेट के पीछे उन्होंने दो कैच पकड़े थे। इसके बाद नीदरलैंड के खिलाफ उन्हें बल्लेबाजी का मौका ही नहीं मिल पाया, लेकिन वो बतौर विकेटकीपर एक कैच पकड़ने में कामयाब रहे थे। वहीं साउथ अफ्रीका के खिलाफ उनके पास मौका था, लेकिन उन्होंने निराश किया और सिर्फ 6 रन बनाए जबकि उन्होंने 15 ओवर विकेटकीपिंग की और इस दौरान एक कैच पकड़ा। ओवरआल दो मैचों में उन्हें बल्लेबाजी का मौका मिला था, लेकिन उन्होंने बेहद निराश किया।

युवराज, गंभीर, रोहित, कोहली व राहुल की इस खास लिस्ट में शामिल हुए सूर्यकुमार यादव

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव की तारीफ में जितने भी शब्द हम कह लें, वो कम ही पड़ेगा। वो भारत के लिए इस वक्त टी20 वर्ल्ड कप में हर परिस्थिति में कितनी बेहतरीन बल्लेबाजी कर रहे हैं वो पूरी दुनिया देख रही है। इस वर्ल्ड कप के पहले लीग मैच में वो पाकिस्तान

के खिलाफ नहीं चल पाए थे, लेकिन इसके बाद नीदर लैंड के खिलाफ नाबाद 51 रन और फिर साउथ अफ्रीका के खिलाफ बेहद विषम परिस्थिति में उन्होंने 68 रन की पारी खेलकर टीम को स्कोर को सम्मानजनक स्थिति में पहुंचाने का काम किया। साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारतीय टीम ने एक समय पर 49 रन पर 5 टाप के विकेट गंवा दिए थे और इस परिस्थिति के बाद सूर्यकुमार यादव की इस पारी ने साबित कर दिया कि वो किसी भी खराब स्थिति में बल्लेबाजी कर सकते हैं। पांच बेहतरीन बल्लेबाजों के आउट होने के बाद भी सूर्यकुमार यादव ने अपना नैचुरल गेम इस मैच में खेला और उन्होंने 3 छक्कों व 6 चौकों साथ ही 170.00 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। कल्पना करें कि अगर सूर्यकुमार ने ये पारी नहीं खेली होती तो टीम इंडिया का क्या स्कोर होता। इस मैच में भारत ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 133 रन बनाए। टी20 वर्ल्ड कप 2022 में पहले नीदरलैंड और फिर साउथ अफ्रीका के खिलाफ सूर्यकुमार यादव ने बैक-टू-बैक अर्धशतक लगाया और युवराज सिंह, गौतम गंभीर, रोहित शर्मा, विराट कोहली व केएल राहुल की खास लिस्ट में शुमार हो गए। दरअसल सूर्यकुमार यादव से पहले सभी बल्लेबाज भारत की तरफ से टी20 वर्ल्ड कप टूर्नामेंट में बैक-टू-बैक अर्धशतक लगा चुके हैं और अब सूर्य भी इनकी इस लिस्ट में शामिल हो गए।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ जीत सकती थी टीम इंडिया, हार के यह रहे प्रमुख तीन कारण

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। पर्थ में टीम इंडिया का प्रदर्शन साफ तौर पर साउथ अफ्रीका के मुकाबले उन्नीस रहा। इस मैच में भारतीय क्रिकेट टीम को जीत मिल सकती थी, लेकिन टास के बाद ही रोहित शर्मा के फैसले का खमियाजा टीम को भुगतना पड़ा। इस मैच में भारतीय टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट पर एक मजबूत बल्लेबाजी लाइन-अप के रहते हुए भी सिर्फ 133 रन बनाए जो जीत के लिए काफी नहीं थे। इसके जवाब में साउथ अफ्रीका ने 19.4 ओवर में 5 विकेट पर 137 रन बनाते हुए 5 विकेट से मैच जीत लिया। इस मैच में भारतीय टीम जीत से क्यों दूर हो गई आपको इसके तीन प्रमुख कारण बताते हैं। भारतीय टीम ने इस मैच में टास जीता था और उसे बल्लेबाजी की जगह गेंदबाजी करनी चाहिए थी। टीम इंडिया इस मैच में एक अतिरिक्त बल्लेबाज के साथ उतरी थी और बल्लेबाजी में काफी गहराई थी। भारतीय टीम इससे पहले भी बड़े मौकों पर टास जीतकर गेंदबाजी का ही फैसला करती थी और बाद में चेज करती थी। इस मैच में भी अगर रोहित शर्मा पहले गेंदबाजी करते तो भारतीय गेंदबाज भी प्रोटियाज बल्लेबाजों पर कहर बरपा सकते थे जैसा की भारत के साथ हुआ। भारत के पास अर्शदीप सिंह, भुवनेश्वर कुमार, मो. शमी, हार्दिक पांड्या और आर अश्विन जैसे गेंदबाज थे जो साउथ अफ्रीकी बल्लेबाजी को तहस-नहस कर सकते थे। वहीं भारत को अगर बड़ा स्कोर मिलता तो इस बल्लेबाजी लाइन-अप के साथ उसे चेज किया जा सकता था। भारतीय बल्लेबाजों का फ्लाप शो इस मैच में भारतीय बल्लेबाजों में से सूर्यकुमार यादव को छोड़ दें तो अन्य सभी बल्लेबाजों ने काफी निराश किया और अपनी क्षमता के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए। यही नहीं सूर्यकुमार और दिनेश कार्तिक के अलावा अन्य किसी बल्लेबाजों के बीच कोई अच्छी साझेदारी नहीं हो पाई। अगर सूर्यकुमार का साथ एक या दो बल्लेबाजों ने भी दिया होता तो बात कुछ अलग हो सकती थी। भारत की तरफ से सूर्यकुमार यादव ने 68 रन, रोहित शर्मा ने 15 रन, विराट कोहली ने 12 रन, केएल राहुल ने 9 रन, दीपक हुड्डा ने जीरो रन, हार्दिक पांड्या ने 2 रन, दिनेश कार्तिक ने 6 रन, आर अश्विन 7 रन व शमी ने जीरो रन की पारी खेली। यही नहीं भारतीय फील्डिंग भी अच्छी नहीं रही। मार्करम और मिलर की साझेदारी देर से टूटी, मिलर को मिले दो-दो जीवनदान भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका के 3 विकेट पर 24 रन पर गिरा दिए थे, लेकिन इसके बाद मार्करम और मिलर के बीच चौथे विकेट के लिए 76 रन की साझेदारी हुई। इस दौरान मिलर को दो जीवन दान 12 और 15 रन पर विराट कोहली और रोहित शर्मा के द्वारा मिला और बाजी यहीं से पलट गई। हालांकि हार्दिक पांड्या ने इस साझेदारी को तोड़ा लेकिन तब तक देर हो चुकी थी तो वहीं मिलर ने 46 गेंदों पर नाबाद 59 रन की पारी खेलकर भारत की हार निश्चित कर दी।

साउथ अफ्रीका के पेसर्स ने लिया 8 भारतीय बल्लेबाजों का विकेट

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2022 में भारत-साउथ अफ्रीका की तेज गेंदबाजी के आगे भारतीय बल्लेबाजी पूरी तरह ध्वस्त नजर आई। साउथ अफ्रीका के पेसर्स ने सिर्फ भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया बल्की आठ विकेट भी चटकाए। लुंगी एनगिडी ने भारतीय टॉप ऑर्डर के चार बल्लेबाजों को आउट किया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। भारतीय टीम की शुरुआत धीमी रही, हालांकि रोहित और राहुल ने छक्के लगाए, लेकिन लुंगी एनगिडी के आते ही भारत के विकेट गिरने शुरु हो गए। एनगिडी ने पहले केएल राहुल को कैच आउट करवाया।इसके बाद अपनी फॉर्म तलाश रहे भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को आउट कर बड़ा झटका दिया। कोहली और सूर्यकुमार ने इस बीच कुछ अच्छे शॉर्ट मारे, लेकिन साउथ अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बामूबा ने लुंगी एनगिडी को वापस अटैक पर बुलाया। लुंगी एनगिडी ने कोहली को आउट कर भारत को एक बड़ा झटका दिया।

राशिफल

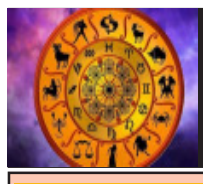

मेष-:आज हम परिवार में स्थिति की चर्चा करेंगे, आज हम अपनी मां के साथ कुछ खास करेंगे, जिससे मन में शांति की अनुभूति होगी।

वृष-:किसी बड़े मामले में समझौता करने और सहयोग करने के लिए आपको तैयार रहना चाहिए. रुके हुए काम आज पूरे होंगे। इस राशि के लोग जीवनसाथी के साथ डेट पर जा सकते हैं।

मिथुन-:आज के दिन नए कार्यों की शुरुआत पर ध्यान देना चाहिए. अगर आप कोई नया बिजनेस शुरू करना चाहते हैं तो आज का दिन अच्छा है। का ध्यान रखें और उन्हें हाथ से जाने न दें।

कर्क-:आज का दिन परिवार वालों के नाम रहेगा, अच्छा खाएंगे और खूब आराम करेंगे. अगर आपने घर खरीदने की योजना बनाई है तो आज आप इसके बारे में आगे बात करेंगे।

सिंह-:आज का दिन आपके लिए खुशियों भरा रहेगा। जिन कार्यों को आप काफी समय से पूरा करने का प्रयास कर रहे थे, उन कार्यों के बारे में आप ध्यान से सोचेंगे।

कन्या-:आज आपको किसी प्रकार की आर्थिक समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा. कार्यक्षेत्र में पहले से बनी हुई योजना को किसी के सामने न रखें अन्यथा दूसरा उसका फायदा उठा सकता है।

तुला-: आज भाग्य आपका साथ देगा। आज आप अपने बात करने के तरीके से लोगों का दिल जीत लेंगे। आज आप अपने व्यवहार से ऐसे लोगों को अपनी ओर आकर्षित करेंग।

वृश्चिक-:व्यापार में विस्तार के साथ ही आप व्यापार जगत में अपनी पहचान बनाएंगे. पिछले कुछ समय से अगर आपका जीवनसाथी रोजमर्रा के कामों में व्यस्त था।

धनु-:आज का दिन आपके व्यक्तित्व को निखारने के लिए अच्छा है। आपका अच्छा व्यक्तित्व आपको समाज में एक अलग पहचान बनाने में मदद करेगा। आज आपको किसी सम्मानित व्यक्ति से मिलने का मौका मिल सकता है।

मकर-:आज आपको न तो कोई बड़ा खर्च करना चाहिए और न ही कोई वादा करना चाहिए. यह एक सुखद और आनंददायक दिन होगा। आप भी अपने आप में कुछ बदलाव लाने की कोशिश करेंगे।

कुंभ-: आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आज ऑफिस में बॉस आपके काम से खुश हो सकते हैं और इनाम के तौर पर प्रमोशन दे सकते हैं।

मीन-:आज अगर आपको मदद की जरूरत है तो आज आपके दोस्त और रिश्तेदार पीछे नहीं हटेंगे. आज आपको कुछ महत्वपूर्ण कार्य निपटाने होंगे।

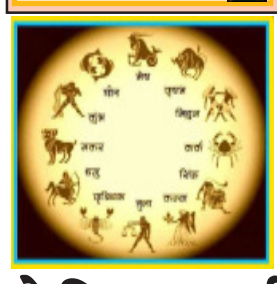

आउट करने की जगह डेविड मिलर को देखते रहे आर अश्विन, लोगों ने कहा इस बार आउट क्यों नहीं किया भाई

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपना तीसरा ग्रुप मैच पर्थ में खेला। इस मैच में भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले

बल्लेबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 133 रन बनाए और साउथ अफ्रीका को जीत के लिए 134 रन का टारगेट दिया। इसके जवाब में साउथ अफ्रीका ने 19.4 ओवर में 5 विकेट पर 137 रन बनाकर मैच में 5 विकेट से जीत दर्ज की। इस मैच में भी मांकडिंग रनआउट को लेकर खूब चर्चा हो रही है। दरअसल,साउथ अफ्रीका की पारी के 18वें ओवर में रोहित शर्मा ने गेंदबाजी करने के लिए ऑफ स्पिनर आर अश्विन को बुलाया। भारत के लिए यह ओवर काफी महंगा साबित हुआ। इस ओवर की पहली दो गेंद पर डेविड मिलर ने दो छक्के जड़ दिए। पहली गेंद पर मिलर ने सीधे बल्ले से छक्का जड़ दिया तो दूसरी गेंद पर मिलर ने लॉन्ग ऑफ के ऊपर से छक्का लगा दिया। वहीं, चौथी गेंद पर अश्विन ने ट्रिस्टन स्टब्स को एलबीडब्लू आउट कर दिया। ट्रिस्टन स्टब्स, 6 रन बनाकर आउट हो गए ।इसके बाद अश्विन अपनी अगली गेंद फेंकने जा ही रहे थे तभी वो रुक गए और नॉन स्ट्राइकिंग एंड पर डेविड मिलर के बैट की ओर देखने लगे। गौरतलब है कि रिप्ले में देखा जा सकता है कि मिलर का बैट क्रीज से काफी दूर था और अश्विन आउट करने की जगह उन्हें देख रहे थे। बता दें कि कई दिनों से मांकडिंग नियम को लेकर काफी चर्चा हो रही है। कई लोगों का मानना है कि यह खेल भावना के विरुद्ध है तो कई लोगों का मानना है कि मांकडिंग नियम के अनुसार बल्लेबाज को आउट करने में कोई बुराई नहीं है। गौरतलब है कि कुछ दिनों पहले आइसीसी ने मानकडिंग आउट को रनआउट का दर्जा दिया है इस वीडियो को आइसीसी ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर शेयर किया। यह वीडियो खूब वायरल हो रहा है। इस वीडियो पर कई यूजर्स ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक यूजर ने लिखा, 'आज क्यों आउट नहीं किया अश्विन भाई।' वहीं, इंग्लैंड की क्रिकेटर डेनी व्याट ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा, 'जब तक अश्विन के हाथ से गेंद नीचे नहीं आ गई तब तक मिलर ने क्रीज नहीं छोड़ा था। बता दें कि कुछ दिनों पहले भारतीय महिलाल क्रिकेट टीम की गेंदबाज दीप्ति शर्मा ने मांकडिंग के जरिए इंग्लैंड की खिलाड़ी चार्ली डीन को रन आउट कर दिया था।

हार के बाद रोहित शर्मा ने पिच को लेकर बताई दिलचस्प बात, साउथ अफ्रीका को कब मिला मोमेंटम

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप के सुपर-12 राउंड मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने भारत को 5 विकेट से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 133 रन बनाए और साउथ अफ्रीका को जीत के लिए 134 रन का लक्ष्य दिया। इसके जवाब में साउथ अफ्रीका ने 19.4 ओवर में 5 विकेट पर 137 रन बनाकर मैच में 5 विकेट से जीत दर्ज की। साउथ अफ्रीका की तरफ से एडेन मार्करम और डेविड मिलर ने अर्धशतकीय पारी खेली है। मिलर ने 46 गेंदों पर 59 रन बनाए वहीं, मारक्रम ने 41 गेंदों पर 52 रन बनाए। बता दें कि भारत की तरफ से सूर्यकुमार यादव ने भी शानदार पारी खेली। सूर्या ने 40 गेंदों पर शानदार 68 रन बनाए। मैच खत्म होने के बाद भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा, ' इस पिच और मौसम के की वजह से आज गेंदबाजों को काफी मदद मिली, जिसकी वजह से 130 का लक्ष्य भी कठिन हो गया।' रोहित शर्मा ने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि हमने अच्छा फाइट-बैक किया, लेकिन अंत में साउथ अफ्रीका के बल्लेबाजों ने अच्छा खेला। मिलर और मार्करम ने बेहतरीन खेल दिखाया। फील्डिंग में टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा।मैच जीतने के बाद साउथ अफ्रीका के कप्तान तेंबा बावूमा ने कहा, '10 ओवर के बाद बल्लेबाजों को अच्छा मोमेंटम मिला। मुझे छोड़कर हमारा बल्लेबाजी क्रम अच्छे फॉर्म में है। हम पिछले कुछ समय से एक-जुट के साथ खेल रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'मैच से पहले हमने यहां पर हुए मैचों को काफी ध्यान से देखा था। यहां पर अतिरिक्त उछाल था, जिसका हमने ध्यान में रखा। मैच के दौरान हमने मिड ऑन और मिड ऑफ ऊपर रखा।' बावूमा ने आगे कहा, 'हम टूर्नामेंट में फेवरिट के तौर पर नहीं आए थे, लेकिन अच्छा खेल खेल रहे हैं।

अमित मिश्रा ने कर दी बाबर आजम की बोलती बंद, ट्विटर पर लिखा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। यह भी गुजर जाएगा अमित मिश्रा ने कर दी बाबर आजम की बोलती बंद, ट्विटर पर लिखा-यह भी गुजर जाएगाअब भारत के स्टार स्पिनर अमित मिश्रा ने पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम के खिलाफ मैच में बाबर बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए थे। बाबर का विकेट अर्शदीप ने लिया था। वहीं दूसरे मैच में बाबर आजम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 4 रन बनाए थे। नीदरलैंड के खिलाफ मैच में भी

की खराब फार्म पर उन्हीं के अंदाज में चुटकी ली है। अमित मिश्रा ने ट्विटर हैंडल पर लिखा, यह भी गुजर जाएगा, मजबूत रहो बाबर आजम। अमित मिश्रा के इस ट्वीट को खबर लिखे जाने तक 500 लोग रिट्वीट कर चुके थे। बता दें कि टी20 विश्व कप में बाबर आजम का खराब प्रदर्शन लगातार जारी है। भारत के खिलाफ मैच में बाबर चार रन बनाकर आउट हुए। भारत की रन मशीन कोहली का बल्ला टी20 विश्व कप में खूब चल रहा है। पाकिस्तान के खिलाफ हाईवोल्टेज मैच में कोहली ने 82 नाबाद बनाते हुए भारत को जीत दिलाई थी। वहीं नीदरलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप में लगातार दूसरी हाफ सेंचुरी लगाई।

हार के बाद अंकतालिका में दूसरे नंबर पर खिसक गई टीम इंडिया

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ पर्थ में साउथ अफ्रीकी टीम ने अपने गजब के प्रदर्शन से मैच में 5 विकेट से जीत दर्ज की। साउथ अफ्रीका के खिलाफ टास जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला रोहित शर्मा का गलत साबित हुआ और भारतीय टीम सिर्फ 133 रन तक ही पहुंच पाई। साउथ अफ्रीका ने पहली पारी में अपनी दमदार गेंदबाजी से भारतीय बल्लेबाजों को पूरी तरह से काबू में रखा तो वहीं दूसरी पारी में प्रोटियाज ने डेविड मिलर के नाबाद अर्धशतक और एडेन मार्करम की अर्धशतकीय पारी के दम पर मैच में जीत दर्ज कर ली। हालांकि 133 रन के बावजूद भारत ने साउथ

अफ्रीका को कड़ी टक्कर दी। इस मैच में भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 133 रन बनाए और साउथ अफ्रीका को जीत के लिए 134 रन का टारगेट दिया। इसके जवाब में साउथ अफ्रीका ने 19.4 ओवर में 5 विकेट पर 137 रन बनाकर मैच में 5 विकेट से जीत दर्ज की। टीम इंडिया ने इससे पहले दो मैच जीते थे, लेकिन तीसरे मैच में उसे हार मिली और भारत की जीत की हैट्रिक पूरी नहीं हो सकी। इस जीत के साथ ही साउथ अफ्रीका के तीन मैचों में 5 अंक हो गए और वो ग्रुप बी की अंकतालिका में पहले नंबर पर पहुंच गई तो वहीं टीम इंडिया 4 अंक के साथ दूसरे नंबर पर आ गई।

सम्पादकीय

समाजवाद के पुरोधा शिक्षा-लेखन और राजनीति से रहा आजीवन संबंध

आज आप कल्पना करें कि तब कांग्रेस का नेतृत्व अचार्य नरेन्द्र देव जैसे कुशल हाथों में होता, तो आजादी के बाद भारत में सरकार और कांग्रेस संगठन की दशा-दिशा कैसी होती? तब शायद आचार्य जी के जरिए महात्मा गांधी की आत्मा भी कांग्रेस में जीवित रहती और कांग्रेस को विर्सजित कर लोक सेवक संघ बनाने का सुझाव भी महात्मा गांधी को नहीं देना पड़ता। आज आप कल्पना करें कि तब कांग्रेस का नेतृत्व अचार्य नरेन्द्र देव जैसे कुशल हाथों में होता, तो आजादी के बाद भारत में सरकार और कांग्रेस संगठन की दशा-दिशा कैसी होती? तब शायद आचार्य जी के जरिए महात्मा गांधी की आत्मा भी कांग्रेस में जीवित रहती और कांग्रेस को विर्सजित कर लोक सेवक संघ बनाने का सुझाव भी महात्मा गांधी को नहीं देना पड़ता। देश में लोकसभा के पहले आम चुनाव (सन् 1952) में जवाहर लाल नेहरू ने मोरारजी देसाई को लिखे एक पत्र में अपनी मंशा जाहिर करते हुए लिखा कि-मैं जानता हूं कि विपक्षी दल के उम्मीदवार को निर्विरोध चुनाव को स्वीकार करने में कठिनाई होगी, फिर भी मेरी सलाह है कि यदि नरेन्द्र देव चुनाव में खड़े है,तो उनके खिलाफ उम्मीदवार न खड़ा किया जाए।एक विद्वान और निश्छल व्यक्ति के रूप में उत्तर प्रदेश में उनकी इतनी प्रतिष्ठा है कि उनका विरोध करने से कांग्रेस की प्रतिष्ठा को ही धक्का लगेगा।जवाहरलाल नेहरू के इस विचार से कांग्रेस के नेता सहमत नहीं हुए। आचार्य जी के विरुद्ध मदन गोपाल को खड़ा किया गया। आचार्य जी इस चुनाव में भी हार गए। जिस कांग्रेस का जवाहरलाल नेहरु नेतृत्व कर रहे थे और आचार्य जी के प्रति जवाहरलाल नेहरू इतनी अगाध श्रद्धा थी,उस कांग्रेस के प्रति आचार्य नरेन्द्र देव के मन में कम से कम नीतिगत सवालों को लेकर कभी दुविधा नहीं रही। सोशलिस्ट पार्टी के नासिक अधिवेशन में ही अपनी मंशा स्पष्ट करते हुए कहा कि- कांग्रेस छोड़ना कोई खुशी की बात नहीं है। हमें कांग्रेस छोड़ने की जल्दी नहीं हैं। कांग्रेस हमें छोड़ देने के लिए बाध्य कर रही है। मैं अच्छे मित्रों को छोड़ रहा हूं। राजनीति भी अजीब चीज है। राजनीति में मित्र दुश्मन बन जाते हैं। मैं तो सन् 1934 से कह रहा हूं कि कांग्रेस समाजवाद का अस्त्र नहीं बन सकती।राजनीति में मित्र दुश्मन बन जाते हैं इसकी एक मिशाल सन् 1947 में सामने आया। कांग्रेस के नए अध्यक्ष का चुनाव होना था। महात्मा गांधी इस पद के लिए आचार्य नरेन्द्र देव को इस पद का सर्वथा उपयुक्त उम्मीदवार मानते थे। कांग्रेस की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में महात्मा गांधी उपस्थित होकर जे बी कृपलानी से एक नोट के जरिए आचार्य नरेन्द्र देव का नाम प्रस्तावित करते है। पहले तो जवाहरलाल नेहरू गांधी जी के प्रस्ताव से सहमत हुए, पर बाद में पलट गए। वे राजेन्द्र प्रसाद को समर्थन करने लगे। महात्मा गांधी ने गोविंद बल्लभ पंत के जरिए राजेन्द्र प्रसाद के पास यह संदेश भेजवाया कि वे कांग्रेस का अध्यक्ष पद स्वीकार न करें। पर सवाल है कि क्या इसे महज संयोग कहा जा सकता है कि महात्मा गांधी का सन्देश राजेन्द्र प्रसाद तक पहुंच ही नहीं पाया। आज आप कल्पना करें कि तब कांग्रेस का नेतृत्व अचार्य नरेन्द्र देव जैसे कुशल हाथों में होता, तो आजादी के बाद भारत में सरकार और कांग्रेस संगठन की दशा-दिशा कैसी होती? तब शायद आचार्य जी के जरिए महात्मा गांधी की आत्मा भी कांग्रेस में जीवित रहती,और कांग्रेस को विर्सजित कर लोक सेवक संघ बनाने का सुझाव भी महात्मा गांधी को नहीं देना पड़ता।भारतीय समाजवाद के जनक आचार्य नरेन्द्र देव जी की इस साल 133वीं जन्म जयंती है। उनका असली नाम अविनाशी लाल था, जिसे बदलकर पंडित माधव प्रसाद मिश्र ने नरेन्द्र देव रख दिया। नरेन्द्र देव को पहले काशी विद्यापीठ के उपाध्यक्ष और सन् 1926 में भगवान दास जी के इस्तीफे के बाद काशी विद्यापीठ के अध्यक्ष(कुलपति) बनाया गया। काशी विद्यापीठ के ही श्रीप्रकाश जी ने पहली बार उन्हें आचार्य कहकर संबोधित किया,जो बाद में उनके नाम के साथ स्थाई रूप से जुड़ गया।

नोएडा में लाखों छठव्रतियों ने सेक्टर-75, 82,110,93 , यमुना हिंडन के घाटों सहित विभिन्न सेक्टरों और गावों में निर्मित छठघाटों में अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को अर्घ्य प्रदान किया

कल उदीयमान भगवान सूर्य को अर्घ्य प्रदान करने के उपरांत चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन होगा

नोएडा कार्तिक शुक्ल षष्ठी को यमुना, हिंडन, गोल्फसिटी सेक्टर-75,82,93 ,110,71,62,21ए,31 स्थित छठघाट सहित नोएडा के लगभग दो सौ छठघाटों पर लाखों छठव्रतियों और भगवान सूर्य के भक्तों ने अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को अर्घ्य प्रदान किया। दिन में छठव्रतियों ने गेहूं, घी और शक्कर का ठेकुआ, चावल, घी और शक्कर का लड्डू प्रसाद के लिए बनाया।बांस के बने सूप, डाला, दौरा,टोकरी में सभी प्रकार का प्रसाद रखा गया।प्रसाद के रूप में सेब, केला, नारंगी, अमरूद, डाभ,नाशपाती, नींबू सहित सभी प्रकार का फल,ईख, पानी में फलनेवाला सिंघाड़ा, मूली, सुथनी,अदरख, हल्दी, कच्चा नारियल, चीनी का बना साँचा, घर में बना ठेकुआ, लड्डू, कच्चा धागे का बना बद्धी, सिंदूर, अगरबत्ती आदि रखा गया।सायं काल में सूर्यास्त से पूर्व छठव्रती और उनके परिवार के सदस्य सिर पर प्रसाद सहित सूप, डाला, दौरा,टोकरी लेकर घर से निकलकर छठघाट पर पहुंचे।कई छठव्रती घर से घाटों तक कष्टी देते पहुंचे।यमुना,हिंडन सहित विभिन्न सेक्टरों व गावों में बने तालाब, कृत्रिम तालाब,तरणताल आदि छठघाट के रूप में प्रयोग में लाया गया।सूर्यास्त से पूर्व हाथ में प्रसाद रखा हुआ सूप, डाला, दौरा,टोकरी लेकर छठव्रतियों ने छठघाट में प्रवेश किया और भगवान सूर्य को अर्घ्य प्रदान किया।उनके साथ परिवार के सदस्यों व सभी श्रद्धालुओं ने भगवान भास्कर को जल द्वारा अर्घ्य प्रदान किया। नोएडा के सेक्टर-75 के छठघाट पर छठव्रतियों व उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय प्रवासी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व श्री सूर्यदेव पूजा समिति के अध्यक्ष मुन्ना कुमार शर्मा ने सभी को भगवान सूर्य और आरोग्य की देवी छठी मईया की उपासना के महान लोकपर्व छठ की शुभकामनाएं दीं।उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि छठपूजा करने से छठव्रतियों और उनके परिवार के सदस्यों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं और सभी कष्ट दूर हो जाते हैं।बिहार, पूर्वी उत्तरप्रदेश, झारखंड,बिहार से सटे हुए पश्चिम बंगाल के कई जिलों,हिंदुस्तान और दुनिया के सभी शहरों में छठ पर्व धूमधाम से मनाया जाता है।नेपाल,मॉरिशस, फिजी, सूरीनाम, वेस्टइंडीज,ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा आदि देशों में छठपर्व हर्षोल्लास और पारम्परिक तरीके से मनाया जाता है।यह भगवान सूर्य की उपासना और भक्ति का महान लोकपर्व है।दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद,गुरुग्राम, फरीदाबाद सहित एनसीआर के शहरों में लाखों श्रद्धालु इस महान पर्व को धूमधाम से मनाते हैं।उन्होंने बताया कि हमलोग डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर घर के बुजुर्गों को सम्मान देने का संदेश समाज को देते हैं।नदी, तालाब, जल में प्रवेश कर भगवान सूर्य की पूजा कर प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हैं।यह पर्व परिवार के सभी सदस्यों को एक साथ इकट्ठा कर सामाजिक एकता का संदेश देता है।हिन्दू, मुस्लिम सहित सभी जातियों के लोग इस महान पर्व को मनाते हैं।यह पर्व साम्प्रदायिक व सामाजिक एकता व भाईचारे का महापर्व है। सेक्टर-75 के सेंट्रल पार्क में श्री सूर्यदेव पूजा समिति द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया।लोकप्रिय गायिका क्षमा पांडेय, प्रीति प्रकाश, पिंकी मंडल, देवेश कुंदन सहित कई कलाकारों ने भोजपुरी, हिंदी, मैथिली, मगही, अंगिका, पंजाबी सहित विभिन्न भाषाओं में लोकगीत और लोकनृत्य प्रस्तुत किया।उनकी गायकी से वातावरण छठमय हो गया।सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा, नोएडा विधायक पंकज सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज गुप्ता, नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी इंदु प्रकाश सिंह, कुमार संजय, सहायक पुलिस आयुक्त अमित सिंह, सेक्टर-113 थाना प्रभारी शरद कांत शर्मा प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।श्री सूर्यदेव पूजा समिति के अध्यक्ष मुन्ना कुमार शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।इस अवसर पर महासचिव राजीव त्यागी, कोषाध्यक्ष आर.के. श्रीवास्तव,उपाध्यक्ष डॉ. शशांक शेखर, मल्लिकेश्वर झा, सुशील कुमार श्रीवास्तव, श्रीकांत सिंह,सहकोषाध्यक्ष निशांत कुमार सचिव प्रभात रॉय, मनीष झा, अनमोल सिंह, राजीव मिश्रा, अंकुर चटर्जी, ज्ञानेश मिश्रा, किरण कुमार, संतोष कुमार, मनीष यादव,राज लवानिया सहित हजारों श्रद्धालु उपस्थित थे। मुन्ना कुमार शर्मा ने बताया कि कल कार्तिक शुक्ल सप्तमी को प्रातःकाल उगते हुए भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया जायेगा।सूर्योदय से पूर्व छठव्रती और सिर पर प्रसाद से भड़ा सूप,डाला और दौरा लेकर परिवार के सदस्य व श्रद्धालु घर से चलकर छठघाट पर आयेंगे।घाट में प्रवेश कर और हाथ में प्रसाद से भड़ा सूप, डाला, दौरा, टोकरी आदि लेकर छठव्रती उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य प्रदान करेंगे।उनके परिवार के सदस्य और अन्य श्रद्धालु गौदूध से भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगे।अर्घ्य अर्पित करने के उपरांत छठव्रती छठघाट पर बने सूर्यपिंड(श्रीसोप्ता) के निकट बैठकर भगवान भास्कर और छठमाता की पूजा-अर्चना करेंगे।पूजा के उपरांत छठव्रतियों द्वारा पारण किया जायेगा।छठव्रतियों द्वारा प्रसाद ग्रहण करने के बाद घर के सभी सदस्य, पड़ोसी और अन्य लोग प्रसाद ग्रहण करेंगे।इसके साथ ही चार दिवसीय छठपूजा का समापन हो जायेगा। नोएडा सेक्टर 82 पाकेट 7 के जिम पार्क और सेन्ट्रल पार्क मे छठ पूजा धूमधाम से मनाया गया। निशुल्क छठ पूजा सेवा समिति के अध्यक्ष अमितेश सिंह ने बताया कि छठ पर्व पर सैकड़ों छठ व्रतियो ने पूजा किया। और घाट पर पूरी व्यवस्था की गयी थी।सुबह से घाट पर छठी मैया का भजन चल रहा था सभी को बैठने की समुचित व्यवस्था की गयी थी।समिति की तरफ से घाट पर वालिन्टियर तैनात किए गए थे जो सभी की देखभाल कर रहे थे।पुलिस प्रशासन की भी मौजूदगी भी थी। इस मौके पर एन के सोलंकी, संजय पाण्डेय, मदन सिंह, संजय शुक्ला,बी के भारद्वाज, गोरे लाल, रमेश चंद्र शर्मा, रवि राघव, एस के तिवारी, रमेश चंद्र दास, हिमांशु सिंह, सर्वेश तिवारी, हरि शंकर सिंह, बी डी गुप्ता ,हंस मणि शुक्ल, संगम प्रसाद मिश्र, वीरेन्द्र, अवनीश तिवारी, राजेश कुमार गुप्ता, आशीष कुड्डू, सिया राम,प्रदीप कुमार यादव अदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे। रविवार को सेक्टर 31 के शहीद भगत सिंह पार्क में पूर्वांचल मित्र मंडल छठ पूजा समिति के तत्वावधान में आयोजित छठ पूजा महोत्सव में छठ व्रतियों द्वारा अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया गया। आयोजन समिति के प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि रोशनी से जगमग छठ घाट को केले के पत्तों से सजाया गया था । छठ घाट के पानी में गंगा जल के साथ गुलाब की पंखुड़िया डाली गई एवं छठ वृतियों के ऊपर एक कुंतल गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा की गई। छठ घाट पर महत्वपूर्ण स्लोगन लिखकर जागरूक किया गया वहीं वृक्ष लगाओ ,पर्यावरण बचाओ ,बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ,प्लाटिक का उपयोग रोकने , जल संरक्षण जैसे स्लोगन लिखकर सामाजिक संदेश देने का भी कार्य किया गया। छठ घाट पर छठ मैया, भगवान सूर्यदेव की प्रतिमा दरबार सहित स्थापित की गई ।छठ मैया के गीतों से एवं जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। छठ वृतियों ने छठ वेदी पर पूजा अर्चना की इसके उपरांत घाट के पानी में खड़े होकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया और परिवार की समृद्धि व सुख शांति के लिए आशीर्वाद मांगा। राघवेंद्र दुबे ने बताया कई छठ व्रतियों ने दण्डवत होकर छठ घाट की परिक्रमा की। इस दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ मौजूद रही। समिति की ओर से गरीब महिला को सिलाई मशीन भेंट की गई। खुशबू तिवारी एन्ड पार्टी द्वारा छठी मैया के गीतों से सजा सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया गया। गायकों की भक्तिमय प्रस्तुति ने सभी श्रद्धालुओं का मन मोह लियाइस अवसर पर संयोजक अर्जुन प्रजापति, ,पूर्व प्रत्याशी अशोक चौहान,जय प्रकाश,अविनाश सिंह,मयंक सिंह,सुधीर राय ,राजेश कुमार, तरुण कुमार , अभय झा, कृष्ना शुक्ला, गजेंद्र सिंह, बबलू चौहान, शहाबुद्दीन, हर्षराज द्विवेदी, अशोक सिंह, हरी कृष्ण, विभा चुग, मुकेश प्रधान सहित तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे।सेक्टर 82 पाकेट 7 के सेन्ट्रल पार्क मे छठ पूजा समिति के अध्यक्ष शैलेन्द्र मिश्रा ने बताया कि छठ पूजा बडे धूमधाम से मनाया गया। घाट पर साज सज्जा भी की गयी थी। सुबह भास्कर भगवान को अर्घ देकर छठ पूजा का समापन होगा। इस मौके पर शैलेन्द्र मिश्र, मुरारी झा, बलराम कर्ण,विजय झा,के के झा, वी सी पाण्डेय, जितेन्द्र सिंह, मनोज तिवारी, बीर बल सिंह (मंत्री), के सी झा,आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सेक्टर93 एस के वन मंदिर पर छठ पूजा धूमधाम से मनाया गया। यहां भक्तों की अपार भीड़ थी। इस मौके पर राजेश ध्यानी,अनिल शर्मा, कपिल पंडित, सेन्टू मिश्रा, जितेन्द्र ठाकुर, संजय शुक्ला,श्याम मिश्रा, राम प्रवेश, लाल बाबू,राज भिरि, प्रमोद यादव, आशीष मिश्रा, संजय सिंह आदि लोग थे।सेक्टर 93 सुपर एम आई जी मे भी छठ पूजा धूमधाम से मनाया गया। भीड भी बहुत थी और रात मे सास्कृतिक कार्यक्रम भी हुआ। इस बार घाट को भी बडा बनाया गया था। इस मौके पर तन्मय शंकर, अनूप सिंह, दीपक तिवारी, एस के तिवारी, विजय झा,आदि लोग उपस्थित रहे।

महापर्व छठः सूर्योपासना की वैश्विक परंपरा, आस्था-विश्वास का अनोखा उत्सव

छठ की वैश्विकता का असर बिहार, यूपी से आगे निकलकर गिरमिटियों के ग्लोबल गांव से लेकर लंदन में टेम्स किनारों तक अब बहुत साफ़ साफ़ दिखने लगा है। छठ महापर्व ,सूर्योपासना के अतीत वाली दुनिया भर के जातियों को सनातन संस्कृति और भारतवर्ष से जोड़ने का एक सार्थक उपक्रम हो सकता है।सूर्योपासना एक पुरातन धार्मिक-सांस्कृतिक परंपरा है। इससे संबंधित प्रतीक आपको विश्वभर में देखने को मिलेंगे। कभी यह रोम मिस्र, ग्रीक, सीरिया, पर्शिया, अफ्रीका और अमेरिका तक चलन में रहा है। अमेरिका की पुरानी सभ्यता इंका और माया के तो प्रधान देवता सूर्य ही है। इंका लोग आदित्य को इंदि तो माया सभ्यता में तोनातिउ पुकारा जाता था ।रोम सोल तो पर्शिया मित्र,जापान अमतेरासू और मिश्र मे होरुस नाम से सूर्यदेव को संबोधित किया जाता रहा है। बाल्टिक देशों के लोग साउल नाम से तो यूनान और ग्रीस मे हेलियोस नाम से तो पुकारते रहे हैं। हेलियोस की मूर्ति भारत में बने अश्व रथ पर सवार सूर्यदेव के बिल्कुल समान

हुआ करती थी।लैटिन संस्कृति में सूर्यदेव का नाम सो तो फ्रीजिअन्स अत्तिस, लिजियन्स मिदोस और बेबिलोनिया शमस नाम से संबोधित करते थे। ये सभी नाम सूर्यदेव के भारतीय नामों के समानार्थ हैं। पश्चिम एशिया की हित्ती संस्कृति से लेकर यूरोप के क्रीट और जर्मनी तक सूर्योपासना चलन में रहा है।यूरोप और दक्षिण अमेरिकी देशों में बलात धर्मांतरण के बावजूद अब भी इसकी जड़ें मौजूद है। इनसे संबंधित प्रतीक दुनियाभर में देखा जा सकता है। जापान से अर्जेंटीना तक करीब बाइस देशों के राष्ट्रीय ध्वज पर सूर्य चिन्ह अंकित है। इनमें एशिया और अमेरिका ही नहीं, अफ्रीका तथा यूरोप के देश भी हैं। महान भारतीय सम्राज्य मौर्य के चांदी से बने पंच चिह्न वाले सिक्कों में उगते सूरज का चित्रण है। ऐसा मुद्राशास्त्रीय अध्ययनों से पता चला है। वहीं इनके राज्य चिन्ह के तौर पर सूर्य प्रतीकों की संभावना व्यक्त की जा रही है।पुरायुग इतिहासविदों की मानें तो सम्राट अशोक का प्रसिद्ध कालचक्र मूलतः एक सौर प्रतीक है। यह वास्तव में एक सूर्य चक्र है।वहीं यह समय की यात्रा में भारत से होता बौद्ध देशों तक पहुंचा। अब उनके लिए भी एक पवित्र प्रतीक है। आखिर ऐसा हो भी क्यों नहीं, सूर्य प्रत्यक्ष देव हैं। वे प्रकाश के पुंज हैं। सूर्य जीवनदायी शक्तियों के सबसे बड़े प्राकृतिक स्रोत भी है।प्रकृति के इस जागृत और निरंतर गतिमान ऊर्जा पिंड को ओज तेज, शक्ति सामर्थ्य का जीवंत प्रतीक माना गया है। इस नाते न्यूजीलैंड के माओरी जनजाति से लेकर जापान के सम्राट तक के सूर्य की संतानें होने का दावा है। ईरान के पूर्व शासक पहलवी वंश भी खुद को सूर्यवंशी मानता है। इस्लामीकरण के बावजूद ईरान के शाह पहलवी उपाधि और सूर्यदेव में विश्वास करते थे।रामायण-महाभारत में भी सूर्योपासना का वर्णन ईरान धर्म, पारसी भी सूर्योपासना से ही जुड़ा है। बात अगर भारत के संदर्भ में हो तो यहां सूर्योपासना शेष विश्व से कहीं अधिक पुराना और व्यवस्थित स्वरूप में रहा है। यहां भगवान सूर्य को सर्वोच्च देव मानकर युगों से उपासना की जाती रही है। इसका आधार वेद ग्रंथ तो स्रोत उपनिषद और पुराण हैं। वहीं महाकाव्य रामायण और महाभारत में भी इससे संबंधित कथाएं हैं। वेदों में सर्वाधिक प्राचीन ऋग्वेद में सूर्यदेव की महिमा का गान इन मंत्रों के द्वारा किया गया है।वेद कहते है - येना पावक चक्षसा भुरण्यंतम् जनां अनु।त्वं वरूण पश्यसि जबकि कथाओं में राजा ऐल और भगवान कृष्ण पुत्र शाम्बा के कुष्ठ मुक्ति की कथा है। ऐसी ही एक कथा राजा शर्याति की पुत्री देवी सुकन्या की भी है। इन्होंने सूर्यदेव की उपासना से अपने वयोवृद्ध पति ऋषि च्वन्य को युवा और कांतिमय रूप में पाया था।सूर्योपासना से निसंतान राजा प्रियव्रत के यहां शिशु जन्म पुराणों की एक महत्वपूर्ण कथा है। ईक्ष्वाकु वंशीय क्षत्रीय तो अपने को सूर्यवंशी मानते आए हैं।

अग्निवीर बनने को गाजीपुर के युवाओं में ज्यादा जोश वाराणसी में रैली भर्ती 16 नवंबर को

अग्निवीर सेना भर्ती की तारीख जारी होने के बाद तैयारियां शुरू हो गई हैं। वाराणसी के छावनी स्थित रणबांकुरे मैदान में अग्निपथ योजना के तहत अग्निवीरों की भर्ती होगी। उवाराणसी के छावनी स्थित रणबांकुरे मैदान में अग्निवीर भर्ती 16 नवंबर से शुरू हो रही है। बनारस समेत पूर्वांचल के 12 जिलों के एक लाख 43 हजार 286 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। इसमें सबसे अधिक गाजीपुर से अभ्यर्थियों के आवेदन आए हैं। इसके बाद बलिया और आजमगढ़ का नंबर है। गाजीपुर से 169869 आवेदन, बलिया के 14814 और आजमगढ़ के 14087 अभ्यर्थियों ने अग्निवीर बनने को आवेदन किया है सबसे अधिक जनरल ड्यूटी, क्लर्क, स्टोर कीपर, तकनीकी और ट्रेड्समैन के लिए एक लाख 18 हजार 136 युवाओं के आवेदन आए हैं। सेना भर्ती कार्यालय के अनुसार 16 नवंबर से छह दिसंबर तक छावनी स्थित 43 हजार 286 आए आवेदनों में सबसे अधिक गाजीपुर से 16869, बलिया से 14814, आजमगढ़ से 14087, गोरखपुर से 13562, देवरिया से 11788, जौनपुर से 12186, वाराणसी 8581, सोनभद्र से 1357, मऊ से 7739, भदोही से 4120, चंदौली से 6557 और मिर्जापुर से 5404 आवेदन प्राप्त हुए हैं। अग्निवीर सेना भर्ती की तारीख जारी होने के बाद तैयारियां शुरू हो गई हैं। सेना भर्ती कार्यालय के अनुसार 16 नवंबर से शुरू होने वाले अग्निवीर अभ्यर्थियों को अपने साथ रजिस्ट्रेशन के दौरान प्रवेश पत्र की मूल कॉपी, शैक्षणिक प्रमाणपत्र जैसे 10वीं और 12वीं का सर्टिफिकेट, 20 पासपोर्ट साइज फोटो, (जिसमें हेयर कट और सेविंग ठीक से हो), निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, स्कूल का चरित्र प्रमाण पत्र, ग्राम प्रधान या पार्षद से जारी चरित्र प्रमाण पत्र, सिंगल बैंक खाता, पैन कार्ड, आधार कार्ड, खेल प्रमाण पत्र यदि हो तो, पुलिस चरित्र प्रमाण पत्र जरूरी है। सेना भर्ती कार्यालय ने सुरक्षा व्यवस्था के लिए पत्र लिखा 16 नवंबर से छह दिसंबर तक चलने वाली अग्निवीर भर्ती में बनारस, चंदौली, गाजीपुर, मिर्जापुर, सोनभद्र, भदोही, जौनपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर के एक लाख 43 हजार 286 युवाओं ने आवेदन किया है। छावनी में उमड़ने वाली अभ्यर्थियों की भीड़ को देखते हुए सेना भर्ती कार्यालय की ओर से कमिश्नरेट पुलिस और जिलाधिकारी, एसपी को सुरक्षा व्यवस्था के लिए पत्र लिखा है। वहीं, मैदान की साफ-सफाई समेत अन्य तैयारियां शुरू हो गई हैं।

संक्षिप्त समाचार

सूडान में भूमि विवाद को लेकर दो दिन तक चला खूनी संघर्ष

काएरो। सूडान के दक्षिणी ब्लू नाइल राज्य में भूमि विवाद के चलते जातीय संघर्ष में 170 लोगों की मौत हो गई। दो आदिवासी समुदायों के बीच यह लड़ाई दो दिन तक चली। सुडान में हुई यह हिंसक घटना हाल के महीनों में सबसे खराब में से एक है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ब्लू नाइल

राज्य में पिछले हफ्ते हौसा लोगों और प्रतिद्वंद्वी समूहों के सदस्यों के बीच भूमि विवाद पर बहस के बाद आपस में लड़ाई शुरू हो गई। यह लड़ाई राजधानी खार्तूम से करीब 500 किलोमीटर दूर दक्षिण में रोजेयर्स के पास वाड अल-माही क्षेत्र के आसपास हुई है। मिली जानकारी के अनुसार केवल बुधवार और गुरुवार के बीच महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों सहित कुल 170 लोग मारे गए हैं। बुधवार को वाड अल-माही क्षेत्र के निवासियों ने भीषण गोलीबारी और घरों में आग लगने की सूचना दी। हाल ही में मारे गए लोगों के लिए न्याय की मांग के साथ पूरे सूडान में गुस्से का विरोध शुरू हो गया है। जुलाई के अंत तक क्षेत्र के वरिष्ठ नेताओं ने दुश्मनी को समाप्त करने पर सहमति व्यक्त की थी।

राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा से अपनी नेतृत्व क्षमता साबित का

(आधुनिक समाचार सेवा)

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के सांसद व पूर्व भाजपा नेता शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा से अपनी नेतृत्व क्षमता साबित की है।सिन्हा ने 'पीटीआइ-भाषा' को दिये साक्षात्कार में कहा कि तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू हुआ राहुल का 3,570 किलोमीटर लंबा मार्च कांग्रेस को 2024 के लोकसभा चुनाव में उसकी सीटों की संख्या को दोगुनी करने में मदद करेगा। 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 52 सीटों पर जीत दर्ज की थी। सिन्हा ने कहा, भारत जोड़ो यात्रा को बहुत अच्छा समर्थन मिल रहा है। राहुल गांधी के करिश्मे ने काम करना शुरू कर दिया है और उन्हें जनता का जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। मुझे लगता है कि राहुल की यात्रा अगले लोकसभा चुनाव में संसद में कांग्रेस की सीटों की संख्या दोगुनी करने में मदद करेगी। वो लोग भी गलत साबित हो गये हैं जिन्होंने उनका 'पप्पू' कहकर मजाक उड़ाया और उन्हें गंभीरता से नहीं लिया।

गुजरात के मोरबी में बड़ा हादसा, मच्छु नदी पर बना पुल गिरा,50 से अधिक लोगों को नदी में डूबने की आंशका

(आधुनिक समाचार सेवा)

गुजरात। बड़ी खबर गुजरात के मोरबी से आ रही है। रविवार शाम को मच्छु नदी पर बना केबल पुल

टूटने से एक बड़ा हादसा हो गया। इस घटना के दौरान पुल के ऊपर खड़े कई लोग नदी में गिर गए। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गईं और रेस्क्यू ऑपरेशन युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया है। रेस्क्यू टीमों ने कई लोगों को नदी से निकालकर अस्पताल भेज दिया है।वहीं अन्य लोगों की तलाश भी जारी है। सभी लोगों को जल्द से जल्द नदी से बाहर निकालने की कोशिशें जारी हैं। रविवार को छुट्टी का दिन होने के चलते आज यहां काफी भीड़भाड़ थी।गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने हादसे पर दुःख जताया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त सैकड़ों की तादाद में लोग पुल पर मौजूद थे। यह पुल काफी पुराना बताया जा रहा है और कुछ दिन पहले ही इसकी मरम्मत कराई गई थी। मरम्मत के बाद 5 दिन पहले ही इसे आम जनता के लिए फिर से खोला गया था। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने ट्वीट कर कहा, ङ्मोरबी में सस्पेंशन ब्रिज गिरने की त्रासदी से मुझे गहरा दुख हुआ है।राहत और बचाव कार्य जारी है। घायलों के तत्काल इलाज की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। मैं इस संबंध में जिला प्रशासन के लगातार संपर्क में हूं। इस हादसे के उपरान्त वहीं प्रधानमंत्री कार्यालय ने मीडिया को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री और अन्य अधिकारियों ने मोरबी में हुई दुर्घटना के संबंध में बात की है। उन्होंने बचाव अभियान के लिए टीमों को तत्काल जुटाने, स्थिति की बारीकी से और लगातार निगरानी करने और प्रभावित लोगों को हर संभव मदद देने को कहा है।

ब्राजील को नया राष्ट्रपति मिल गया है

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। ब्राजील को नया राष्ट्रपति मिल गया है। दक्षिणपंथी विचारधारा रखने वाले मौजूदा राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो को हराकर लुइज इनासियों लूला डा सिल्वा ने जीत हासिल कर ली है। लूला ने अपनी जीत के बाद विजयी भाषण में शांति और एकता का आह्वान भी किया। लूला ब्राजील के राष्ट्रपति बने इसके लिए देश की जनता ने भी उनका पूरा समर्थन किया। अधिकांश चुनावों के सर्वे के मुताबिक, लूला फिर से देश के राष्ट्रपति चुने जाने वाले पंसदीदा उम्मीदवार थे। बता दें कि लूला को 50.8 प्रतिशत वोट मिले तो वहीं बोल्सोनारो को केवल 49.2 प्रतिशत वोट ही हासिल हुए। वामपंथी विचारों वाले लूला पहले भी ब्राजील के राष्ट्रपति रह चुके है और अब एक दशक बाद राष्ट्रपति के रूप में उन्होंने एक आश्चर्यजनक वापसी की है। कौन है लूला और क्या उनकी वापसी से ब्राजील की मौजूदा स्थिति बदलेगी लुइज इनासियों लूला डा सिल्वा को लूला के नाम से भी जाना जाता है। 77 वर्षीय लूला वामपंथी विचार रखते है और तीन साल पहले वे भ्रष्टाचार के मामले

में सजा काट रहे थे। सजा के दौरान उन्हें चुनाव से दरकिनार कर दिया गया था। इससे पहले वर्ष 2002 में लूला, ब्राजील के पहले श्रमिक वर्ग के अध्यक्ष बने थे। 2010 में दो वर्ष का कार्यकाल पूरा करने के बाद लूला ने अध्यक्ष पद छोड़ दिया। उस दौरान लूला 90 प्रतिशत के करीब अनुमोदन रेटिंग के साथ बेहद लोकप्रिय माने जाते थे। लूला 2003 से 2010 के दौरान ब्राजील के राष्ट्रपति रह चुके हैं। लूला ने अपने राजनीतिक करियर में छठी बार राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ा था। उन्होंने पहली बार 1989 में ब्राजील के राष्ट्रपति का चुनाव लड़ा था। लूला की वर्कर्स वार्टी (पीटी) वर्ष 2018 में भ्रष्टाचार के मामले फंस गई और उन्हें तीन साल तक की सजा काटनी पड़ी। इस दौरान उन्हें चुनावों से बिल्कुल दुर कर दिया गया था। बता दें कि लूला पर ब्राजील को मंदी में डूबाने का आरोप लगा था। ये तीन वर्ष लूला के काफी कठिनाइयों में बीते। भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण उन्हें 2018 में जेल में डाल दिया गया था और चुनाव में भाग लेने पर भी रोक लगा दी गई थी। वर्ष 2019 में दक्षिणपंथी विचारधारा रखने वाले जायर बोल्सोनारो ने देश के राष्ट्रपति पद की कमान संभाली। राष्ट्रपति चुनाव में बोल्सोनारो को बड़ी जीत हासिल हुई थी।भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण लूला को सजा के तौर पर 580 दिनों की कैद हुई थी। लूला की सजा 2019 के अंत में समाप्त कर दी गई थी। लूला की सजा इस आधार पर रद कर दी गई थी कि उन्हें दक्षिणपंथी न्यायाधीश सर्जियो मोरो द्वारा गलत तरीके से पेश किया गया था। बता दें कि लूला ने जायर बोल्सोनारो को हराने की कसम खाई थी और अपनी जीत के बाद उन्होंने कहा कि ठदुनिया की अब तक की सबसे बड़ी शांतिपूर्ण क्रांतिठ।

जगत जननी माँ शारदा के दरबार मे हाजरी लगाने पहुंची मध्यप्रदेश की दो दिग्गज मंत्रियाँ

(आधुनिक समाचार सेवा)

मैहर। जगत जननी माँ शारदा सिद्धपीठ में अनोखा सयोंग रहा मध्यप्रदेश की खेल युवा कल्याण मंत्री श्रीमंत यशोधरा राजे सिंधिया एवं धर्मस्व एवं संस्कृति विभाग मंत्री श्री मति उषा ठाकुर एक साथ विशेष

कार्यक्रम के दौरान मां शारदा के दरबार मे हाजरी लगाने पहुंचे जहां महोदया ने पहले माँ शारदा के दर्शन लाभ का आनंद लिया इस दौरान प्रदेश कार्यकारी समिति के सदस्य श्रीकान्त चतुर्वेदी ने दोनों मंत्रियों का भव्य स्वागत किया और मंदिर सहित अन्य क्षेत्रीय मुद्दे से दोनों मंत्रीयो को अवगत कराया, भाजपा के मंडल अध्यक्ष अनुपम सोनी ने साथियों सहित माँ शारदा की तस्वीर भेंट किया, संगठन के महामंत्री एवं सदस्य मैहर संगीत विद्यालय श्री सुदामा प्रजापति ने मैहर संगीत विद्यालय के मैहर बैंड को प्रत्येक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में मंच पर स्थान दिए जाने एवं युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित किये जाने हेतु निवेदन किया ताकि मैहर के युवाओं की संगीत प्रतिभा को प्रोतसाहित किया जा सके बात रखी मध्यप्रदेश की दोनों दिग्गजो के स्वागत में एवं व्यवस्था में रहे तरकेस्वर तिवारी सदस्य माँ शारदा देवी मंदिर प्रबंध समिति पूर्व सदस्य सनत गौतम पूर्व सदस्य देवेंद्र पांडे भाजपा पूर्व संगठन महामंत्री सुदामा गौतम बी,डी पटेल जरियारी ने सम्पूर्ण व्यवस्थाओं का कार्यभार संभाला जिसके प्रशंसा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्रीमंत यशोधरा राजे सिंधिया एवं धर्मस्व मंत्री श्रीमती उषा ठाकुर जी ने किया व पर्यटक सुरबहार में रेस्ट एवं स्वल्पाहार किया जहां श्रीकान्त चतुर्वेदी जी सनत गौतम. देवेन्द्र पांडेय.तारकेश्वर तिवारी . सुदामा प्रजापति आनंद श्रीवास्तव एडवोकेट मैहर ने मंदिर में व्यवस्थाओं एवं अन्य योजनाओं को लेकर विस्तृत चर्चा किया, इस दौरान नगरपालिका अध्यक्ष गीता संतोष सोनी जी ने मंत्री जी से भेंट किया, और दोनों मंत्रियों ने रेवांचल से भोपाल के लिए प्रस्थान किया।

भाजपा महिला मोर्चा का एक दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा । भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती शारदा चतुर्वेदी की अध्यक्षता मे सेक्टर 116, भाजपा कार्यलय, नोएडा मे प्रशिक्षण

कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस सत्र के प्रारम्भ मे जिले और मंडल की पदाधिकारी बहनो ने मोदी जी के मन की बात सुनी। मन की बात कार्यक्रम मे उत्तर प्रदेश महिला मोर्चा की अध्यक्ष एवम् सांसद श्रीमती गीता शाक्या उपस्थित रही।प्रशिक्षण सत्र को चार चरणो मे विभाजित किया गया था। प्रथम चरण मे सत्र की वक्ता एवम् उत्तर प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती गीता सक्या ने कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित करके शुभारम्भ किया। गीता ने इस सत्र मे प्रचीन काल से लेकर वर्तमान समय मे राजनीति और समाज मे महिलाओं की भूमिका और उनके सम्मान पर प्रकश डाला। उन्होंने यह भी बताया समाज मे धीरे धीरे किस प्रकार महिलाओं की समाज मे भागीदारी कम होती गई। शाक्या ने ये भी बताया कि किस प्रकार भाजपा की नरेन्द्र मोदी सरकार महिलाओं की मान सम्मान के लिए प्रतिबध्य है और निरंतर प्रयास कर रही है। द्वितीय सत्र की मुख्य वक्ता एवम क्षेत्रिय मंत्री श्रीमती उदिता त्यागी ने भजपा के इतिहास से सभी को अवगत कराया। तृतीय सत्र की मुख्य वक्ता एवम् क्षेत्रीय मंत्री श्रीमती क्रितिका अग्रवाल ने भारतीय राजनीति मे महिलाओं का योगदान विषय पर वस्तृत रूप से प्रकाश डाला सत्र के चौथे और अंतिम सत्र को उत्तर प्रदेश की सोशल मिडिया प्रमुख श्रीमती सुचित्रा पाठक ने सम्बोधित किया और नविन राष्ट्र निर्माण में हो रहे कार्यो के साथ साथ केन्द्र सरकार की नीतियों पर वस्तृत प्रकाश डाला।इस प्रशिक्षण वर्ग मे जिले की महामंत्री, उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, मिडिया प्रभारी, सोशल मिडिया प्रभारी, मंत्री, कार्यलय प्रभारी, के साथ मंडल अध्यक्ष और महामंत्री की उपस्थिति रही।

ब्राजील में अब वामपंथी सरकार, लूला ने मौजूदा राष्ट्रपति बोल्सोनारो को हराया

साओ पाउलो। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति लुइस इनासियो लूला डा सिल्वा ने रविवार को मौजूदा राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो को हरा दिया है। लूला ने आश्चर्यजनक वापसी करते हुए देश की दक्षिणपंथी सरकार के अंत को चिह्नित किया। एक दशक के बाद लूला ने बोल्सनारो के 49.2 फीसद वोटों की तुलना में 50.8 फीसद वोट पाकर चुनाव जीत लिया है। बता दें कि अधिकांश चुनावों के सर्वे में भी लूला फिर से चुने जाने के लिए पसंदीदा उम्मीदवार थे। बोल्सोनारो ने 2 अक्टूबर को पहले दौर के मतदान में जनमत सर्वे से बेहतर प्रदर्शन किया था, लेकिन उनका जीतना मुश्किल माना जा रहा था। इससे पहले 2 अक्टूबर को स्थानीय मीडिया के अनुसार कोई भी उम्मीदवार पहले दौर में जीतने के लिए आवश्यक 5 प्रतिशत अंक हासिल नहीं कर सका था। विशेष रूप से, इस साल के चुनावों में 156 मिलियन से अधिक लोगों को वोट डालने की अनुमति मिली थी, जो कि एक रिकार्ड था। बता दें कि 76 वर्षीय लूला ने बोल्सोनारो को

पद से हटाने के लिए अपने अभियान में अपनी पिछली उपलब्धियों पर गिनाया था। उनके चनावी अभियान में एक नई कर व्यवस्था का वादा किया गया था जो उच्च सार्वजनिक खर्च की अनुमति देगा। उन्होंने देश में भूख खत्म करने का संकल्प भी लिया है। लूला का विवादों से एक अलग रिश्ता है। वे 2017 में सरकारी तेल कंपनी पेट्रोब्रास में व्यापक ऑपरेशन कार वॉश जांच से उपजे आरोपों में भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग के लिए दोषी ठहराए गए थे। लेकिन दो साल से कम समय के बाद सुप्रीम कोर्ट के एक न्यायाधीश ने मार्च 2021 में लूला की सजा को रद्द कर दिया था, जिससे उनके लिए छठी बार राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने का रास्ता साफ हो गया था।

मैहर देहात थाना प्रभारी द्वारा ग्राम बरहिया में चलाया गया नशा मुक्ति अभियान

(आधुनिक समाचार सेवा)

मैहर। देहात थाना प्रभारी द्वारा ग्राम पंचायत बरहिया और शिरमिली में चलाया गया नशा मुक्ति अभियान

बरहिया सरपंच श्रीमती मंजू जितेंद्र उप सरपंच संतोष प्रजापति एवं वार्ड के सभी पंच गणों तथा बरहिया और शिर्मीली पंचायत के सभी नागरिक गण एकत्र होकर पुलिस और पब्लिक द्वारा नशा मुक्त जागरूकता अभियान के तहत शपथ ग्रहण कार्यक्रम देहात थाना प्रभारी पी.सी कोल द्वारा कराया गया जोकि लोगो के लिए एक अच्छी पहल है और उसका प्रभाव जन जन तक पहुंचाना एवं क्षेत्र की सभी जन को इस पहल का अमल कराना नशे के चलते हो रहे क्राइम पर रोक लगाना देहात थाना प्रभारी जी एक मकसद बन चुका है।

प्रधानमंत्री कुसुम योजना, सिंचाई और विद्युत की इस मिलीजुली योजना में मिलती है 90% तक वित्तीय सहायता

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। ज्यादातर इलाकों में पानी की कमी के चलते मिट्टी अपनी नमी खोती जा रही है। खेत सूखते जा रहे हैं। जिससे फसलों का उत्पादन घटता जा रहा है। वहीं डीजल के बढ़ते दाम के चलते सभी किसान सिंचाई के पर्याप्त सुविधाओं का इस्तेमाल नहीं कर पाते हैं। ऐसे तरफ से 30 फीसदी सब्सिडी मुहैया कराई जाती है। वहीं 30 फीसदी अन्य वित्तीय संस्थानों से लोन मिल जाता है। बाकी 10 फीसदी पैसे लगाना होता है। इस योजना से किसानों को सबसे बड़ा फायदा यह है कि बिजली या डीजल का खर्च नहीं आता। सौर ऊर्जा से चलने वाले पंप से सिंचाई का काम हो

जाता है। इससे बिजली पर निर्भरता कम होती ही है। इसके साथ ही कृषि लागत में भी काफी हद तक बचत होती है। बिजली बेचकर मुनाफा कमाएं किसान सोलर पंप का उपयोग खेतों की सिंचाई के अलावा बिजली उत्पादन में भी कर सकते हैं। इस योजना के जरिए बिजली या डीजल से चलने वाले सिंचाई पंप को सोलर एनर्जी से चलने वाले पंप में बदला जाता है। सोलर पैनल से पैदा की जाने वाली बिजली का इस्तेमाल पहले अपने सिंचाई के काम में करेंगे। उसके अलावा जो बिजली अतिरिक्त बचेगी। उसे बिजली वितरण कंपनियों को बेच सकते हैं। अगर आपके पास 4 से 5 एकड़ जमीन है तो सालाना काफी मात्रा में बिजली उत्पादन कर सकते हैं और आसानी से लाखों रुपये कमा सकते हैं। जानिए कैसे करें अप्लाई प्रधानमंत्री कुसुम योजना के लिए राज्यों की अलग अलग आधिकारिक वेबसाइट जारी की गयी है। अगर आप इस योजना का फायदा उठाना चाहते हैं तो अपने राज्य सरकार की आधिकारिक वेबसाइट पर विजिट करना होगा। इस योजना के बारे में अधिक जानकारी के लिए पर विजिट कर सकते हैं। इन डॉक्यूमेंट्स की होगी जरूरत कुसुम योजना के तहत सोलर पंप लगवाने के लिए किसानों कुछ डॉक्यूमेंट्स जमा करना पड़ता है। किसानों को अपना आधार कार्ड, राशन कार्ड, आधार से लिंक मोबाइल नंबर, बैंक पासबुक की कॉपी, पासपोर्ट साइज फोटो और किसानों को अपनी खेती से जुड़े डाक्यूमेंट्स की जरूरत पड़ेगी जागरूकता के लिए शेयर अवश्य करें।

पाकिस्तान में फिर लागू हो सकता है सैनिक शासन, आर्थिक एवं राजनीतिक स्थिति को लेकर एक रिपोर्ट में किया गया दावा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में अगले छह महीने या इससे कुछ ज्यादा समय बाद सैनिक शासन लागू किया जा सकता है। देश की मौजूदा आर्थिक एवं राजनीतिक स्थिति का विश्लेषण करती हुई एक रिपोर्ट में

यह दावा किया गया है। पाकिस्तान के साप्ताहिक अखबार दि फ्राइडे टाइम्स में लेखक जस्टिस काटजू ने इस बात का खतरा व्यक्त किया है। पाकिस्तान के विश्लेषक लेखक ने अपने तर्क के समर्थन में कुछ तथ्य भी रखे हैं। पाकिस्तान में वर्तमान राजनीतिक घटनाक्रम के बारे में बात करते हुए लेखक ने उल्लेख किया है कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान 2018 के चुनाव में एकता, परदर्शिता और जवाबदेही के नाम पर सफल हुए थे। उनके कार्यकाल में आर्थिक अस्थिरता पैदा हुई। इमरान का कार्यकाल अप्रैल 2022 में अविश्वास प्रस्ताव के कारण समाप्त हो गया। वह आसमान छू रही महंगाई के दौरान सत्ता से बेदखल हुए। लोग आज भी उपभोक्ता सामग्री की ऊंची कीमत का सामना कर रहे हैं। लेखक ने कहा कि सब्जी समेत अन्य बुनियादी जरूरत की चीजों के दाम आसमान पर हैं। सत्ता तो बदल गई लेकिन स्थितियों में कोई बदलाव या सुधार नहीं हो पाया है। वर्तमान गठबंधन सरकार वही आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रही है। विनाशकारी बाढ़ जले पर नमक छिड़कने वाली साबित हुई है। इसी के चलते वहां स्थित बिगड़ने की बात कही गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भीख का कटोरा लिए विभिन्न देशों के पास पैसे मांगने के लिए पहुंच रहे हैं। लेखक का कहना है कि पाकिस्तानी लगातार अशांत हो रहे हैं।

खरगे और राहुल बोले बचाव अभियान में हरसंभव मदद करें कांग्रेस कार्यकर्ता

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुजरात के मोरबी में केबल पुल टूटने की घटना पर दुख व्यक्त किया है। पुल टूटने की घटने में 90 लोगों के मारे जाने की खबर है, वहीं 70 लोगों को अस्पताल भर्ती कराया गया है। दूसरी ओर खरगे ने पार्टी कार्यकर्ताओं से बचाव कार्य में हरसंभव सहायता करने की अपील की। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी कहा कि पुल टूटने की खबर बेहद दुखद है। उन्होंने भी सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं से घायलों की हरसंभव मदद करने की अपील की। खरगे ने एक ट्वीट में कहा, 'गुजरात के मोरबी में केबल पुल टूटने से हुई त्रासदी से गहरा दुख हुआ है।' उन्होंने कहा, 'मैं गुजरात कांग्रेस के कार्यकर्ताओं से बचाव कार्य में हरसंभव सहायता और घायलों की मदद करने की अपील करता हूं। मेरी संवेदना और प्रार्थना शोक संतप्त परिवारों के साथ है।' राहुल गांधी ने हिंदी में एक ट्वीट में कहा, 'गुजरात के मोरबी में हुए पुल हादसे की खबर बेहद दुःखद है। ऐसे मुश्किल समय में मैं सभी शोकाकुल परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।' उन्होंने एक और ट्वीट में कहा, '(मैं) सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अपील करता हूं कि दुर्घटना में घायल व्यक्तियों की हर संभव सहायता करें और लापता लोगों की तलाश में मदद करें।

अजय देवगन की 'थैंक गॉड' का हुआ बुरा हाल, दर्शकों के लिए तरस रही फिल्म6 दिन में कमाए सिर्फ इतने रुपये

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। कोईमोई की रिपोर्ट के मुताबिक थैंक गॉड ने रविवार को छठे दिन सिर्फ 4 से लेकर 4.30 करोड़ के बीच का ही बिजनेस किया (ये आंकड़े शुरुआती हैं, इनमें फेरबदल संभव है)। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई पहुंचती है 29.40 करोड़ के पास। सिनेमाघरों में थैंक गॉड की टक्कर राम सेतु से हुई जो 6 दिनों में 60 करोड़ कमाने के करीब पहुंच गई है। इस फिल्म से ली है कहानी थैंक गॉड पर आरोप लगाया गया है कि इसे अंग्रेजी में सार्ट कुगलर या व्हाट गोज अराउंड नामक डेनिश फिल्म से कॉपी किया गया है। इसके छ्श्ऊँ पेज में इसके वन-लाइनर प्लॉट का उल्लेख है, 'एक परेशान और तनावग्रस्त आदमी की कार दुर्घटना में मौत हो जाती है और उसे जीवन जीने का एक और मौका मिलता है', जो कि इंद्र कुमार की फिल्म की कहानी भी लगती है। अजय देवगन की रिलीज होने वाली ये इस साल की दूसरी फिल्म है। इससे पहले वो 'रनवे 34' के साथ सिनेमाघरों में हाजिर हुए थे, जिन्हें दर्शकों ने नकार दिया था। आने वाली फिल्मों में 'दृश्यम 2' 18 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

मेगास्टार चिरंजीवी ने सामंथा के जल्द स्वस्थ होने की कामना कहा- आप अद्भुत लड़की हैं

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। साउथ फिल्म इंडस्ट्री की फेमस एक्ट्रेस समांथा रुथ

प्रभु इन दिनों मायोसाइटिस नाम की गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। अभिनेत्री ने अपनी इस बीमारी के बारे में शनिवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक लंबा-चौड़ा पोस्ट साझा कर जानकारी दी थी। सामंथा के अपनी इस बीमारी के बारे में बताते ही फैंस और साउथ इंडस्ट्री के कई बड़े कलाकार उन्हें स्पीडी रिकवरी विश कर रहे हैं और उनके जल्द-से-जल्द ठीक होने की प्रार्थना कर रहे हैं। जूनियर एनटीआर, राम चरण के बाद अब रविवार को साउथ इंडस्ट्री के मेगास्टार चिरंजीवी ने सामंथा को इस गंभीर बीमारी से शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए दिल छू लेने वाला पोस्ट साझा किया है। चिरंजीवी ने की प्रार्थन चिरंजीवी ने ट्विटर पर एक्ट्रेस को टैग करते हुए लिखा, प्यारी सामंथा वक्त-वक्त पर हमारे जीवन में चुनौतियां आती हैं, जो शायद हमें अपनी अंदर की शक्तियों की खोज करने में मदद करता है। आप आंतरिक शक्तियों से भरी हुई अद्भुत लड़की हैं। मैं पूरा विश्वास है कि आप इस चुनौती को जल्द ही पार कर लेंगी। मैं ईश्वर से आपके जल्द ही स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

शेखर सुमन ने की कॉमेंट्री, साजिद खान ने की भूख हड़ताल की अगवानी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। बिग बॉस 16 के रविवार के एपिसोड में काफी दिलचस्प बातें घर में घटित हुई हैं। गौतम सिंह के कप्तान बनने के चलते

घरवालों का खाना दांव पर लग गया था। इस बात को समझते हुए साजिद खान और दो अन्य सदस्यों के साथ यह निर्णय लेते हैं कि वह खाना तब तक नहीं खाएंगे, जब तक की गौतम सिंह को बेघर होने के लिए नॉमिनेट नहीं कर दिया जाता है। साजिद खान अन्य सदस्यों के साथ मिलकर घर में भूख हड़ताल करते है इसमें कई घर वाले भी सहमति जताते नजर आते हैं। हालांकि एपिसोड के अंतर घरवालों को खाना मिल जाता है और बिग बॉस इस बात की घोषणा भी करते हैं कि कल से सभी को नियमित तौर पर उनका कमाया हुआ खाना मिला करेगा। इसके पहले शो में शेखर सुमन भी आते हैं, जो घरवालों से पिछले सप्ताह हुई उनकी बातों पर और उनके विषयों पर बातचीत करते हैं, जिसे वह हल्के-फुल्के अंदाज में करने का प्रयास करते हैं।इससे पहले शालीन भनोट और प्रियंका चौधरी की खाने को लेकर लड़ाई भी होती है। शालीन भनोट इस अवसर पर काफी आक्रामक हो जाते हैं। तभी गौतम सिंह और निमृत आहलूवालिया भी इसी बात को लेकर आपस में उलझ पड़ते हैं। साजिद खाने इससे पहले घोषणा करते हैं कि गौतम सिंह से जब तक कैप्टंसी नहीं जाएगी और जब तक वे नॉमिनेट नहीं होंगे, तब तक वे खाना नहीं खाएंगे। घर वाले भी साजिद खान का सपोर्ट करते हैं। वहीं गौतम सिंह अपनी बात शालीन भनोट और टीना दत्ता से कहते हैं और अपना पक्ष रखने का प्रयास करते हैं। इस तरह रविवार का एपिसोड समाप्त हो जाता है।

कांतारा का हिंदी रीमेक बनाने के पक्ष में नहीं हैं ऋषभ शेट्टी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। ऋषभ शेट्टी की फिल्म कांतारा इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। ये फिल्म हिंदी सहित कई भाषाओं में सिल्वर स्क्रीन पर अपनी कहानी से लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही है। अब जानकारी आ रही है कि ऋषभ

शेट्टी से जब पूछा गया कि क्या कांतारा के हिंदी रीमेक बनाया जाना चाहिए तो उन्होंने इससे इनकार कर दिया है। रीमेक में नहीं है दिलचस्पी' अंग्रेजी समाचार वेबसाइट ईटाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार ऋषभ शेट्टी ने कांतारा के हिंदी रीमेक के सवाल पर बोलते हुए कहा, कांतारा का हिंदी रीमेक नहीं बनाया जाना चाहिए। क्योंकि फिल्म को हिंदी में डब कर रिलीज कर दिया है और ये बेहतर है। जब अभिनेता से पूछा गया कि हिंदी रीमेक में कौन-सा बॉलीवुड एक्टर रोल में सही रहेगा। इसका जवाब देते हुए ऋषभ ने कहा, ऐसे किरदारों को निभाने के लिए आपको अपनी जड़ों और संस्कृति पर विश्वास करना होगा। हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कई बड़े अभिनेता हैं। जिनकी मैं काफी प्रशंसा करता हू, लेकिन मुझे रीमेक में कोई दिलचस्पी नहीं है।ऋषभ शेट्टी ने आगे कांतारा के ऑस्कर में भारत की ओर से एंट्री के बारे में बोलते हुए कहा, मैंने कांतार की ऑस्कर में एंट्री को लेकर 25 हजार ट्वीट देखें हैं जो मुझे खुशी देते हैं, लेकिन मैं इस बारे में कुछ नहीं कह सकता। क्योंकि मैंने इस फिल्म में सफलता के लिए काम नहीं किया बल्कि मैंने कांतारा में पूरे मन से काम किया है। कांतारा ने हिंदी बेल्ट में अपनी रिलीज के तीसरे हफ्ते में एंट्री के बावजूद शानदार प्रदर्शन कर रही है। फिल्म ने तीसरे शुक्रवार को 2.75 करोड़ की कमाई थी, जबकि शनिवार को कांतारा के कलेक्शन में भारी उछाल देखने को मिला है। फिल्म ने शनिवार को 4.10 करोड़ की कमाई की है और इसी के साथ ही फिल्म ने हिंदी बेल्ट में अब तक 38.55 करोड़ का नेट बॉक्स ऑफिस कलेक्शन कर लिया है। आपको बता दें, ऋषभ शेट्टी अभिनीत और निर्देशित कांतारा की कहानी कर्नाटक के तटीय गांव में रहने वाले मूल निवासियों की लोककथा पर स्थापित है, जो एक राजा के परिवार, दैव और गुलिका के इर्द-गिर्द घूमती है। कांतारा में ऋषभ ने कंबाला चैंपियन शिवा का किरदार निभाया है। बता दें इस फिल्म का निर्माण केजीएफ जैसी बड़ी फिल्म बनाने वाले प्रोडक्शन हाउस होंबले फिल्म्स के बैनर तले किया गया है।

राम सेतु ने बढ़ाई अक्षय कुमार की मुश्किलें, वीकेंड में कमाए इतने रुपये

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। अक्षय कुमार की राम सेतु टिकट खिड़की पर दर्शकों के लिए संघर्ष करती नजर आ रही है। खिलाड़ी कुमार जैसे सुपरस्टार का चार्म भी काम नहीं कर पाया फिल्म है। इसने ओपनिंग डे पर 15. 2 करोड़ की बढ़िया कमाई की थी जिसके बाद फिल्म के कलेक्शन का ग्राफ लगातार घट रहा है। दूसरे दिन इसने 11.4 करोड़, तीसरे दिन 8.75 और चौथे दिन यह शुरुआती है इसमें फेरबदल संभव है)। इसके साथ ही राम सेतु की कुल कमाई पहुंच गई 57 करोड़ के आसपास। फिल्म ने 6 दिनों में 60 करोड़ भी नहीं कमाए और अब सोमवार से इसकी असली परीक्षा

और फिल्म अपनी रिलीज के 6 दिन बाद बड़ी मुश्किल से 50 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर पाई है। सेम सेतु को सोशल मीडिया पर लोगों का मिला जुला रिस्पॉन्स मिल रहा है। तो आइए जानते हैं कि अभिषेक शर्मा के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने रविवार को कुल कितनी कमाई की। राम सेतु इस साल रिलीज होने वाली अक्षय कुमार की चौथी आंकड़ा घटकर पहुंच गया 6.05। हालांकि वीकेंड पर अक्षय कुमार की इस फिल्म के बिजनेस में छोड़ा उछाल देखा गया पर वो भी नाकाफी है। शनिवार को राम सेतु ने 7.3 करोड़ रुपये कमाए थे, तो छठे दिन यानी रविवार को ये कमाई फिर थोड़ी बढ़ी। कोईमोई के अनुसार फिल्म ने सनडे को 7.80 से 8.30 करोड़ के बीच का बिजनेस किया है (यह आंकड़े शुरू होने वाली है। राम सेतु के साथ सिनेमाघरों में अजय देवगन की थैंक गॉड भी रिलीज हुई, इसका हाल टिकट खिड़कियों पर और भी बुरा है। इस दोनों ही फिल्मों के परफॉर्म करने के लिए अभी 4 दिन का और वक्त है क्योंकि इस शुक्रवार सिनेमाघरों में 3 नई फिल्में रिलीज हो रही है। जिसके बाद राम सेतु और थैंक गॉड का डब्बा गोल हो सकता है।

माधुरी दीक्षित ने किया डांस, करिश्मा कपूर ने शेयर किए थ्रोबैक फोटोज

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। दिल तो पागल है फिल्म को रिलीज होकर 25 वर्ष पूरे हो गए हैं। इस अवसर पर माधुरी दीक्षित ने एक डांसिंग रील वीडियो शेयर किया है। वहीं करिश्मा कपूर ने एक पोस्ट शेयर की है। इसमें शाह रुख खान और वह नजर आ रही है। फिल्म दिल में वह शाह रुख खान और माधुरी दीक्षित के साथ नजर आ रही है।वहीं माधुरी दीक्षित ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें वह अरे रे अरे ये क्या हुआ फिल्म के गाने पर डांस करती नजर आ रही है। इसके साथ उन्होंने लिखा है, 'दिल तो पागल है के रिलीज के 25 वर्ष। अपने पसंदीदा

तो पागल है के 25 वर्ष पूरे हुए है रविवार को करिश्मा कपूर, माधुरी दीक्षित और शाह रुख खान अभिनीत फिल्म दिल तो पागल है के 25 वर्ष पूरे हुए। करिश्मा कपूर ने फिल्म के सेट से कई तस्वीरें शेयर की है। इसके साथ उन्होंने लिखा है, 'यादें हमेशा की।' पहली तस्वीर में करिश्मा कपूर फिल्म के सेट पर आईकॉनिक पोज देते हुए नजर आ रही है। वहीं दूसरी तस्वीर में वह यश चोपड़ा के साथ है। वहीं तीसरी और चौथी तस्वीर गाने के साथ सेलिब्रेट कर रही हूं। आपका कौन सा है।' दिल तो पागल है फिल्म का निर्देशन यश चोपड़ा ने किया था। यह बॉलीवुड की पसंदीदा फिल्मों में से है। यह एक लोकप्रिय लव ट्रायंगल है। फिल्म 1997 में रिलीज हुई थी और इसे काफी पसंद किया गया। इस फिल्म में अक्षय कुमार की भी स्पेशल अपीयरेंस थी। यह फिल्म काफी पसंद की गई थी। माधुरी दीक्षित सोशल मीडिया पर काफी फेमस है।

कृति सेनन का ट्रेडिशनल अवतार देख नहीं हटेंगी आपकी निगाहें, फैंस बोले- 'ब्यूटी इनष्ठ'

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली।कृति सेनन इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म भेड़िया के प्रमोशन में जुटी हुई हैं। अब उन्होंने अपनी लेटेस्ट तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें वो ट्रेडिशनल लुक में बेहद खूबसूरत दिख रही हैं। इन तस्वीरों को एक्ट्रेस ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया है। तस्वीरों में कृति सेनन ब्लैक कलर की शिमरी

साड़ी में फैंस का दिल धड़काती हुई दिख रही हैं। इस दौरान उन्होंने गोल्डन कलर के ईयररिंग्स कैरी किए हुए हैं और अपने बालों को खुला रखा है जो उनके लुक को और भी आकर्षित बना रहा है। कृति सेनन की इन तस्वीरों को अब तक (खबर लिखे जाने तक) साढ़े चार लाख से ज्यादा लाइक्स से मिल चुके हैं और कमेंट कर उनके ट्रेडिशनल लुक की प्रशंसा कर रहे हैं। शुक्रवार को मेकर्स ने भेड़िया से ठुमकेश्वरी सॉन्ग रिलीज किया था, जिसको फैंस का अच्छा खासा रिस्पॉन्स मिल रहा है। भेड़िया के इस सॉन्ग को यूट्यूब पर 89 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। हाल ही में उन्होंने भेड़िया के प्रमोशन इवेंट के दौरान की तस्वीरें साझा की थी, जिसमें दोनों की बेहद दिलचस्प केमिस्ट्री दिख रही है। इस कॉमेडी ड्रामा फिल्म का निर्देशन अमर कौशिक ने किया है। मैडॉक फिल्म्स और जियो स्टूडियो के बैनर तले बनी कृति सेनन और वरुण धवन स्टारर फिल्म 25 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म के ज्यादातर भाग को अरुणाचल प्रदेश में शूट किया गया है। वहीं, बात अगर उनके वर्कफ्रंट की करें तो वो भेड़िया के अलावा पौराणिक फिल्म आदिपुरुष में नजर आने वाली हैं। ओम राउत द्वारा निर्देशित फिल्म आदिपुरुष में प्रभास मुख्य भगवान राम के स्वरूप की भूमिका में नजर आने वाले हैं तो सनी सिंह उनके छोटे भाई लक्ष्मण का किरदार निभा रहे हैं और एक्ट्रेस कृति सेनन माता जानकी की भूमिका में नजर आने वाली हैं। जबकि सैफ अली खान लंकापति रावण के किरदार में दिखाई देंगे।

राम चरण और सलमान खान का 'किसी का भाई, किसी की जान' में होगा स्पेशल डांस नंबर

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। सलमान खान ने हाल ही में इस बात की घोषणा की थी कि किसी का भाई, किसी की जान में राम चरण का स्पेशल नंबर करना चाहते हैं लेकिन बहुत लोगों को नहीं पता की रोल क्या है। अब सूत्रों ने खुलासा किया है कि राम चरण और सलमान खान फिल्म में साथ डांस करेंगे। यह एक खास गाना होगा, आइटम नंबर नहीं होगा। रामचरण अच्छे डांसर है और सलमान खान इसका उपयोग करना चाहते हैं। किसी का भाई, किसी की जान की खासियत राम चरण और सलमान खान का स्पेशल डांस नंबर होगा। राम चरण की स्टाइल सलमान खान को काफी पसंद आती है। राम चरण की हाल ही में फिल्म आरआरआर रिलीज हुई थी। इस फिल्म का काफी पसंद किया गया था। फिल्म में जूनियर एनटीआर की भी अहम भूमिका है। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हजारों करोड़ों का व्यापार कर चुकी है। सलमान खान ने हाल ही में आचार्य में गेस्ट अपीयरेंस किया था। दोनों परिवार एक-दूसरे के बहुत करीब है। जब राम चरण फिल्म जंजीर की शूटिंग मुंबई में कर रहे थे, तब सलमान उन्हें घर का खाना प्रतिदिन भेजा करते थे। सलमान के कहने पर ही प्रभु देवा ने चिरंजीवी का वीना स्टेप दबंग 3 के मुन्ना बदनाम हुआ गाने में रखी थी। सलमान खान की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अच्छा व्यापार करती है। हालांकि पिछली दो फिल्में उनकी कमाल नहीं दिखा पाई है। इसके चलते वह दक्षिण के अभिनेताओं को अपने साथ जोड़कर कुछ नया करने का प्रयास कर रहे हैं। सलमान खान इन दिनों टीवी पर बिग बॉस 16 होस्ट कर रहे हैं, जिसे फैंस काफी पसंद करते हैं।

बिग बॉस ने डीप नेक थाई हाई स्लिट गाउन में फोटोशूट करा फैंस के दिलों पर चलाई छुरियां

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। बिग बॉस में नजर आ चुकी रश्मि देसाई ने अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की 8 तस्वीरें शेयर की है। इसमें उन्हें डीप नेक थाई हाई स्लिट गाउन पहने देखा जा सकता है। इसमें वह काफी हॉट लग रही हैं। उन्होंने मेकअप कर रखा है। उन्होंने अपने बाल बांध रखे हैं और वह कैमरे की और दिलकश अंदाज में देखकर पोज दे रही हैं। रश्मि देसाई ने कुल 8 तस्वीरें शेयर की है रश्मि देसाई ने कुल 8 तस्वीरें शेयर की है। इसके साथ उन्होंने हाई हील्स भी पहन रखी है। उन्होंने ज्वेलरी भी पहन रखी है और वह हॉट पोज देती हुई नजर आ रही है। पीछे उनकी छाया भी नजर आ रही है। तस्वीरें शेयर करते हुए रश्मि देसाई ने लिखा है, 'यू आर योर ओन काइंड ऑफ ब्यूटीफुल।'रश्मि देसाई की तस्वीरों को 12 घंटे में डेढ़ लाख के करीब लाइक्स मिले हैं। उनकी तस्वीरों पर 4000 से ज्यादा कमेंट किए गए हैं। कई लोगों ने तस्वीरों पर गॉर्जियस, ब्यूटीफुल, प्रीटी, ब्यूटी, हॉट, हीरोइन, लवली फॉरएवर जैसे कमेंट किए हैं। रश्मि का अंदाज फैंस को काफी भा रहा है। उनका अंदाज कातिलाना है। वह दिनों पर छुरियां चला रही है। रश्मि देसाई बिग बॉस में भी नजर आई थी। उन्होंने कई टेलीविजन शोज में काम किया है। उनकी भूमिका काफी पसंद की गई है। उन्होंने कई कलाकारों के साथ काम किया है। वह उतरन में भी नजर आ चुकी है। वह काफी फेमस एक्ट्रेस के तौर पर जानी जाती है। रश्मि देसाई और सिद्धार्थ शुक्ला का बिग बॉस के घर में काफी बड़ा झगड़ा भी हुआ था। दरअसल रश्मि लगातार सिद्धार्थ को टारगेट कर रही थी। इसके बाद सिद्धार्थ ने भी रश्मि को जवाब देना शुरू किया था।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डा0 दीपक अरोरा द्वारा
रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।